हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 19 : जौनपुर, शुक्रवार 13 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

संक्षिप्त समाचार

आरोपियों ने बेरहमी से पीट-पीटकर ट्रक चालक की फाड़ी आंतें

नोएडा (संवाददाता)। थाना कासना क्षेत्र के साइट– 5 में चोरी के शक में दो लोगों को टोकने की कीमत एक ट्रक चालक को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। दोनों ने उसकी बुरी तरह पिटाई की। इस घटना में उसकी पेट की आंतें फट गई तथा उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने एक नाबालिग समेत 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। थाना कासना के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि रविवार की रात 8 अक्टूबर को ट्रक चालक युवक राजेश अपना ट्रक खड़ा करके खाना खाने जा रहा था। तभी दो युवक वहां आए। उसे शक हुआ कि ये लोग ट्रक से सामान चोरी करने के लिए आए हैं। शुक्ला ने बताया कि राजेश ने जब टोका तो दोनों ने उसके ऊपर हमला कर दिया। इस मारपीट में राजेश की आंतों में गंभीर चोट आई। उसे उपचार के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां कल उसकी मौत हो गई।थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में जनपद सिद्धार्थनगर के रहने वाले गोविंद तथा एक नाबालिग के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

बुआई के दावों की पोल खोल रहे क्रय केंद्र

बांदा (संवाददाता)। मोटे अनाज की बुआई को लेकर कृषि विभाग के दावे व सरकारी क्रय केंद्रों के स्थिति मेल नहीं खा रही है। 10 दिन से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी क्रय केंद्रों में एक दाना ज्वार, बाजरा बिकने को नहीं आया। इधर, अधिकारी क्रय केंद्रों में ज्वार, बाजरा की आवक न होने से परेशान हैं। श्री अन्न योजना सरकारी की प्राथमिकता में है। कृषि विभाग के रिकार्ड की माने तो चित्रकूटधाम मंडल में श्री अन्न योजना के तहत चारों जनपदों में 70,724 हेक्टेयर में ज्वार व 13,445 हेक्टेयर में बाजरा की बुआई की गई है। कृषि विभाग की रिपोर्ट के आधार पर शासन ने मोटे अनाज की खरीद के लिए खाद्य विभाग को चारों जनपदों में ज्वार के 27 व बाजरा के 16 केंद्र खोलने का लक्ष्य दिया था। खाद्य विभाग ने पहली अक्तूबर को ज्वार के 22 व बाजरा के 13 केंद्र खोल दिए हैं। लेकिन दस दिन बाद भी अन्न का एक दाना नहीं पहुंचा। ऐसे में मोटे अनाज की बुआई को लेकर या तो कृषि विभाग के दावे गलत है या फिर किसान सरकारी क्रय केंद्रों में मोटा अनाज बेचने नहीं आ रहा।

हाईटेंशन लाइन ठीक करते वक्त झुलसा लाइनमैन गंभीर

बांदा (संवाददाता)। बबेरू थाना क्षेत्र ब्यौंजा गांव में हाईटेंशन लाइन को ठीक करते वक्त अचानक लाइन चालू हो गई और लाइनमैन झुलस गया। उसे गंभीर हालत में सीएचसी लाया गया। यहां हालत गंभीर होने पर उसे रेफर कर दिया गया। कोतवाली क्षेत्र पतवन गांव निवासी दिनेश पुत्र बुधराज (38) सिमौनी फीडर के ब्यौंजा गांव में 11 हजार की मुख्य लाइन से नलकूप और गांव की लाइन ठीक कर रहा था। अचानक सप्लाई चालू हो गई, जिससे उसे जोरदार करंट लग गया। साथियों ने उसे इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया।

रोजगार निर्माण नयी ऊंचाइयों पर, कौशल विकास से युवाओं को वैश्विक अवसर : मोदी

(एजेन्सी)

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत में रोजगार के नए अवसरों का निर्माण इस समय नयी ऊंचाइयों को छू रहा है ओर बेरोजगारी दर छह वर्ष के न्यूनतम स्तर पर है। श्री मोदी ने कहा कि सरकार कौशल विकास को बढ़ा देश कर हमारे युवाओं के लिए वैश्विक स्तर पर अवसर बढ़ाने में लगी है। प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत की अर्थव्यवस्था का जैसे–जैसे विस्तार हो रहा है, आप जैसे युवाओं के लिए नई संभावनाएं बनती जा रही हैं। अभी हाल ही में हुए एक सर्वे में सामने आया है कि भारत में रोजगार निर्माण एक नई ऊंचाई पर पहुंचा है। भारत में बेरोजगारी दर अपने छह साल के सबसे निचले स्तर पर है।" श्री मोदी कौशल दीक्षांत समारोह को वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधा के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों, दोनों में ही बेरोजगारी तेजी से कम हो रही है। जिसका मतलब है कि विकास का लाभ गांव और शहर, दोनों ही जगहों पर बराबर पहुंच रहा है। दोनों ही जगहों पर नए अवसर भी समान रूप से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सर्वे में सामने आया है कि भारत की श्रमिक

आबादी में महिलाओं की भागीदारी में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। उन्होंने इसे नारी सशक्तिकरण की योजनाओं और अभियानों का प्रभाव बताया है। कौशल विकास मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में कौशल विकास से जुड़े संस्थानों का यह साझा समारोह था। श्री मोदी ने इसे सराहनीय पहल बताया और कहा कि यह आज के भारत की प्राथमिकताओं को भी दर्शाता है। उन्होंने इस आयोजन में देश भर से जुड़े युवाओं को शुभकामनाएं दीं। श्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का हवाला देते हुए कहा कि भारत आने वाले वर्षों में विश्व की सबसे तेजी से वृद्धि करने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। उन्होंने कहा कि इस बात का पूरा विश्वास है कि भारत अगले तीन–चार साल में दुनिया की पहली तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा। जिससे आपके लिए (युवाओं के लिए) नए अवसर बनेंगे, आपको रोजगार–स्वरोजगार के और ज्यादा मौके मिलेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी देश के प्राकृतिक संसाधनों और सामर्थ्य को उपयोग में लाने के लिए जिस एक महत्वपूर्ण शक्ति की जरूरत होती है, वो है युवा शक्ति। और यह युवाशक्ति जितनी सशक्त होती है, उतना ही देश का विकास होता है, देश के संसाधनों के साथ न्याय होता है। उन्होंने कहा कि आज भारत इसी सोच के साथ अपनी युवाशक्ति को सशक्त कर रहा है, पूरे परिस्थितिकी तंत्र में अभूतपूर्व सुधार कर रहा है। और इसमें भी देश की अप्रोच दोतरफा है। हम अपने युवाओं को कौशल और शिक्षा के माध्यम से नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार कर रहे हैं और सरकार करीब चार दशक बाद नई शिक्षा नीति लेकर आयी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार काम देने वाले और परंपरागत क्षेत्रों को बढ़ावा दे रही है।

हम डॉ. राम मनोहर लोहिया के दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लेते हैं : अखिलेश यादव

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मनोहर लोहिया के बताये रास्ते पर आगे बढ़ने का बृहस्पतिवार को संकल्प लिया। अखिलेश यादव ने यह बात राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद कही। सपा प्रमुख ने कहा, "आज हम डॉ. राम मनोहर लोहिया को याद करने आये हैं, जिन्होंने समाज को बुराई से बचाने, असमानता को समाप्त करने का समाजवादी रास्ता दिखाया। नेताजी (मुलायम सिंह यादव) ने उनके दिखाए रास्ते पर चलकर काम किया। अखिलेश यादव ने कहा कि हम संकल्प लेते हैं कि हम समाजवाद को मजबूत करने और भविष्य में इसे आगे बढ़ाने के लिए इसी रास्ते पर चलने का काम करेंगे। आज हम लोग डॉ. राम मनोहर लोहिया को याद करने आए हैं, जिन्होंने समाजवादी रास्ता दिखाया, जिस रास्ते पर चलते हुए नेता जी (मुलायम सिंह यादव) ने संघर्ष किया ताकि समाज को तमाम बुराइयों से बचाया जा सके, समाज में संपन्नता आये, समाज में गैरबराबरी खत्म हो। सपा अध्यक्ष ने कहा, "जो रास्ता डॉ.

राम मनोहर लोहिया जी ने दिखाया, उसी पर चलने का हम संकल्प लेते हैं ताकि भविष्य में इस समाजवाद को और मजबूत किया जा सके, समाजवादी विचारधारा को आगे ले जाया जा सके। डॉ. राम मनोहर लोहिया का जन्म 1910 में हुआ था। लोहिया एक स्वतंत्रता सेनानी और गांधीवादी विचारों को मानने वाले थे। उन्होंने वंचित समुदायों के राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए भी काम किया और कांग्रेस के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने का काम भी किया। 12 अक्टूबर 1967 को उनका निधन हो गया था। इस दौरान अखिलेश यादव ने यह भी कहा, एक समय ऐसा आया था कि डाक्टर अंबेडकर और डॉक्टर लोहिया एक साथ काम करना चाहते थे। आज संविधान पर हमला हो रहा है, संविधान खतम हो जायेगा, हमारी आपकी आजादी छीन जायेगी। हमारा कानून छीन जायेगा, आज भारतीय जनता पार्टी समाज और देश को उसी दिशा में ले जा रही है।

बीजेपी का दलित महासम्मेलन, हापुड़ से शुरु होकर लखनऊ में होगा समापन

17 अक्टूबर को हापुड़ और 2 नवम्बर को लखनऊ में कार्यक्रम

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में जनाधार बढ़ाने खातिर भाजपा दलित सम्मेलनों का आयोजन करेगी। सम्मेलनों की शुरूआत हापुड़ से और समापन लखनऊ में होगा।अनुसूचित जातियों में पैठ बढ़ाने के लिए भाजपा की प्रदेश के 6 सांगठनिक क्षेत्रों में दलित सम्मेलन आयोजन की योजना है। भाजपा दलित सम्मेलन की शुरुआत पश्चिम क्षेत्र से करेगी। पहला दलित सम्मेलन हापुड़ में 17 अक्टूबर को होगा। ब्रज राज्य क्षेत्र में 19 अक्टूबर को अलीगढ़ में सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कानपुर क्षेत्र का सम्मेलन कानपुर के रेलवे ग्राउंड में 28 अक्टूबर को होगा। काशी क्षेत्र का सम्मेलन 29 अक्टूबर को प्रयागराज में होगा। गोरखपुर क्षेत्र का सम्मेलन गोरखपुर में 30 अक्टूबर को होगा। अवध क्षेत्र का सम्मेलन लखनऊ के

रमाबाई अंबेडकर मैदान में दो नवंबर को आयोजित होगा। सम्मेलनों का फोकस दलित समुदाय के बीच मोदी और योगी सरकार के कामों को गिनाने पर होगा। दलित सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शिरकत करेंगे। कई सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व केन्द्र सरकार के मंत्री शामिल होंगे।

रोहतक में बाबा मस्तनाथ मठ में पहुंचे सीएम योगी

बोलें-विश्व में शांति की गारंटी है सनातन धर्म

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा मस्तनाथ मठ द्वारा ब्रह्मलीन महंत श्री चांदनाथ जी योगी के स्वरूप की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर रोहतक पहुंचे । जहा सनातन को लेकर बड़ा संदेश दिया। सीएम योगी ने कहा सनातन धर्म विश्व में शांति की गारंटी है। एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति का बोध वाक्य ही सनातन धर्म का सत्य है। सभी मत, पंथ, उपसना विधि, संप्रदाय से जुड़े संतजन उसी सत्य की उपासना के लिए और उसकी पुनर्प्रतिष्ठा के लिए अपने आप को समर्पित किये हुए हैं। भारत की संत शक्ति कभी पलायन का रास्ता नहीं अपनाती। वो हर चुनौती से जूझने का जज्बा रखती है और इसका उद्देश्य केवल लोक कल्याण है। गांव गांव में जनजागरण कर रहे हमारे संतगण आज एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प

को ही सिद्ध कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, योगगुरु स्वामी रामदेव, स्वामी चिदानंद महाराज और बाबा मस्तनाथ मठ के महंत बाबा बालकनाथ सहित देशभर से आए हजारों की संख्या में संतों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नाथ संप्रदाय भारत की सनातन परंपरा का वाहक है। सनातन धर्म एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति के बोध वाक्य का सत्य है। उस सत्य तक पहुंचने के लिए हमारे पंथ, उपसना विधि, संप्रदाय, मत अपने आप को समर्पित किये हुए हैं। रास्ते अलग अलग हो सकते हैं, लेकिन मंजिल एक है और ये मंजिल है सत्य सनातन धर्म की पुनर्स्थापना के कार्य को एकजुट होकर पूरी मजबूती के साथ स्थापित करना। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हो रहा है। जिन्हें सनातन पर विश्वास नहीं था वो श्रीराम मंदिर के नाम से ही भागते थे। मगर जिन्हें सनातन धर्म पर विश्वास था उन्हें अपने कर्म पर विश्वास था। जो लोगों के लिए असंभव था आज नये भारत ने उसे संभव बना दिया है। पूरी दुनिया में वर्तमान में संघर्ष चल रहा है, मगर विश्व शांति की गारंटी केवल सनातन धर्म और भारत ही है।

दुनिया में संकट के समय हर देश, हर धर्मावलम्बी और हर पीड़ित भारत की ओर आशा की नजरों से देख रहा है। उसे भरोसा है कि भारत उसकी आस और विश्वास बनेगा। आज का ये समारोह उसी अभियान को मजबूती प्रदान करता है। ये नाथ संप्रदाय के पवित्र संतों की साधना स्थली है। आज बाबा चांदनाथ जी के संकल्पों को महंत बालकनाथ योगी तत्परता और दूरदर्शिता के साथ आगे बढ़ा रहे हैं, जो अभिनंदनीय और सराहनीय है।

कांग्रेस ने की 'पढ़ो पढ़ाओ' योजना की घोषणा

(एजेन्सी)

मंडल। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज कहा कि मध्यप्रदेश में पार्टी की सरकार बनने पर 'पढ़ो पढ़ाओ' योजना लागू की जाएगी, जिसके तहत स्कूली विद्यार्थियों को पांच सौ रुपए से लेकर पंद्रह सौ रुपए प्रतिमाह तक दिए जाएंगे। वाड्रा ने राज्य विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महाकौशल अंचल के आदिवासी बहुल मंडला में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर कांग्रेस महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। वाड्रा ने स्थानीय रामनगर ग्राउंड पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस की सरकार बनने पर पढ़ो पढ़ाओ योजना लागू की जाएगी।

इसके तहत कक्षा एक से आठवीं तक के बच्चों को पांच सौ रुपए प्रतिमाह, नवीं और दसवीं के बच्चों को एक हजार रुपए और ग्यारहवीं और बारहवीं के बच्चों को पंद्रह सौ रुपए प्रतिमाह प्रदान किए जाएंगे। कांग्रेस महासचिव ने आदिवासी बहुल इस अंचल के लोगों को संबोधन के दौरान अपनी दादी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि इस अंचल के लोग श्रीमती गांधी को इंदिरा माता के नाम से जानते थे। ऐसा इसलिए क्योंकि वे सभी श्रीमती गांधी पर भरोसा करते थे और उन्होंने उनके भरोसे के अनुरूप इस अंचल के लोगों के लिए काम भी किए। उन्होंने आदिवासियों को सबसे बड़ा विवेकशील बताते हुए कहा कि वे आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मतदान के दिन उनकी (प्रियंका गांधी वाड्रा) बातों को ध्यान में रखकर वोट दें। उन्होंने कहा कि वे और कांग्रेस पार्टी जो भी वादे कर रही हैं, उन्हें सरकार बनने पर पूरा किया जाएगा। कांग्रेस अन्य दलों के नेताओं की तरह 'जुमले' नहीं दे रही है। वाड्रा ने कहा कि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने पर छत्तीसगढ़ राज्य की तरह मध्यप्रदेश में भी धान और तेंदूपत्ता पर बढ़ा हुआ बोनस दिया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस की अन्य घोषणाओं का भी जिक्र किया और कहा कि पार्टी सोच समझकर ही घोषणाएं कर रही है।

22 जनवरी को होगी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

(संवाददाता)

लखनऊ। वर्ष 2024 की 22 जनवरी रामभक्तों के लिए विशेष होने जा रही है। पांच सौ वर्षो की लम्बी प्रतीक्षा के बाद 22 जनवरी को प्रभु रामलला की नगरी अयोध्या में प्रभु राम, माता सीता की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। इस शुभ घड़ी का गवाह बनने के लिए लाखों रामभक्तों के अयोध्या पहुंचने की उम्मीद है। इसी को ध्यान में रखते हुए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने स्पष्ट तौर पर कहा कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन प्रोटोकॉल धारक अयोध्या न आएं, ताकि समारोह में किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि राज्यों के सीएम, राज्यपाल और राजदूत इनके साथ संवैधानिक प्रोटोकॉल है। 22 जनवरी को इनकी सेवा न हम कर पाएंगे न ही यहां का प्रशासन। चंपत राय के इस बयान के बाद पुष्ट हो गया है कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को ही होगी। चंपत राय के इस बयान के बाद जब उनसे सवाल किया गया कि पीएमओ की ओर से प्राण प्रतिष्ठा की तिथि तय कर दी गई है तो वे सवाल को टाल गए। हालांकि अब यह तय माना जा रहा है कि नए मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को ही होनी है। अब केवल पीएमओ से पीएम के अयोध्या आने की तिथि घोषित होना बाकी है।

बालिकाओं के हित में और योजनाओं की जरुरत

लखनऊ (संवाददाता)। भारत रक्षा दल ट्रस्ट के संस्थापक श्रीनिवास राष्ट्रवादी ने विश्व बालिका दिवस के अवसर पर देश की बालिकाओं को अपनी शुभकामना ज्ञापित करते हुए उनके प्रगति व विकास के लिए जन सामान्य एवं सरकार से और अधिक योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन की मांग की है।श्री राष्ट्रवादी ने लड़कियों के जीवन में आने वाली चुनौतियों और उनके संरक्षण के बारे में जागरुकता फैलाने और लड़कियों के अधिकारों से उन्हें रूबरू कराने की आवश्यकता पर बल दिया है।

जेपीएनआईसी नौटंकी करने गए थे अखिलेश : केशव

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में इस वक्त लोकसभा चुनाव से पहले ही विपक्ष से लेकर सत्ता के नेताओं में होड़ देखी जा रही है। एक नेता दूसरे नेताओं की हरकतों को लेकर भी उनपर तंज कसना नहीं छोड़ते है। इस वक्त चुनावी रणभूमि के बीच नेता एक दूसरे पर हमला बोलने का ये सिलसिला जारी करते हुए नजर आ रहे हैं। भाजपा के नेता केशव मौर्या और समाजवादी पार्टी के नेता और उत्तर–प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की। जहां जेपीएनआईसी का गेट फांदकर गए अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए

नेता केशव मौर्या ने कहा है की क्या नौटंकी करने गए थे, जिसके बाद से ही उत्तरप्रदेश की राजनीति में काफी हलचल मचा हुआ है। जयप्रकाश नारायण की जयंती पर उत्तरप्रदेश में जमकर सियासी लड़ाई देखि गई। इस मौके पर अखिलेश यादव जयप्रकाश नारायण को माल्यार्पण करने पहुंचे थे। लेकिन वह सीधे रास्ते को लेने के बजाय जेपीएनआईसी के गेट को फांदकर उनको श्रद्धांजलि देने पहुँच गए थे। इतना ही नहीं बल्कि उनके साथ तमाम सपा के समर्थक गेट फांदकर ही अंदर घुस रहे थे।

230 भारतीयों को लेकर पहली उड़ान इजरायल से होगी रवाना

विदेश मंत्रालय ने कहा- हमारे पास सभी विकल्प हैं

(एजेन्सी)

नई दिल्ली ।इजराइल में फंसे भारतीयों को लेकर पहली चार्टर उड़ान 12 अक्टूबर यानी आज रात बेन गुरियन हवाई अड्डे से रवाना होगी। यह उड़ान इज़राइल में रहने वाले लगभग 230 भारतीयों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर ले जाएगी। फ्लाइट इजराइल से रात 9 बजे रवाना होगी और इसमें सवार यात्रियों से कोई किराया नहीं लिया जाएगा। उनकी वापसी का खर्च सरकार उठा रही है। एयर इंडिया ने 7 अक्टूबर को इज़राइल से अपनी उड़ान तुरंत निलंबित कर दी थी। ऐसे में जो लोग भारत की यात्रा पर आने वाले थे उन्हें भी पहली उड़ान में शामिल किया जाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि जैसा कि कल विदेश मंत्री द्वारा घोषणा की गई थी, इजराइल से वापस आने को इच्छुक हमारे नागरिकों की वापसी की सुविधा के लिए ऑपरेशन अजय शुरू किया गया है। पहली चार्टर उड़ान भारतीय नागरिकों को लेने के लिए आज रात तेल अवीव पहुंचेगी। चार्टर उड़ान आज

देर शाम तेल अवीव पहुंचेगी। इसमें 230 यात्रियों के सवार होने की उम्मीद है। हमारे पास सभी विकल्प हैं, लेकिन निकासी में भारतीय वायुसेना की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। इजराइल में हमास आतंकियों के साथ चल रहे युद्ध के बीच भारत सरकार वहां फंसे भारतीयों को निकालने की कोशिशें कर रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा बुधवार को घोषित श्ऑपरेशन अजयश के तहत भारतीयों को वापस लाया जा रहा है। इससे पहले आज, उन्होंने इज़राइल से प्रस्थान करने वाली पहली चार्टर उड़ान की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

सम्पादकीय

भारत देगा चीन को टक्कर

रबार्कलेज पीएलसी का कहना है कि भारत की अर्थव्यवस्था को चीन से आगे निकलने के लिए प्रति वर्ष आठ प्रतिशत वृद्धि की जरूरत है। भारत को काफी ज्यादा निवेश की जरूरत है। दक्षिण एशियाई देशों को माइनिंग, ट्रांसपोर्ट, यूटिलिटीज और स्टोरेज जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की जरूरत है। भारत ने हाल ही के वर्षों में दूरसंचार और डिजिटल सैक्टर में ज्यादा निवेश किया है जिसका लाभ उसे मिल रहा है। निवेशक चीन के शेयर बाजार से धन निकाल कर भारत में लगा रहे हैं। कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियां चीन से निकलकर भारत और अन्य देशों में उद्योग लगा रही हैं। चीन से निकलकर एप्पल, सैमसंग जैसी कई कम्पनियां भारत में आ चुकी हैं। जी–20 देशों से प्रगाढ़ संबंध कायम करके भारत अपना व्यापार भी बढ़ा रहा है। इस सबके बावजूद भारत द्वारा चीन को पछाड़ना काफी चुनौतीपूर्ण है। जरूरत इस बात की है कि भारत ज्यादा उत्पादन करे ताकि रोजगार के अवसर बढ़ें। देश में नए क्षेत्रों के साथ–साथ पारम्परिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाए। सैमी कंडक्टर के निर्माण में तेजी लाकर परिदृश्य बदला जा सकता है। भारत की एफडीआई के लिए अपनी नीतियों को और भी उदार बनाना होगा। अभी भी भारत के बाजारों में चीनी माल हावी है। इसका मुकाबला करने का साहस हम आज भी नहीं कर रहे। भारत और चीन में आर्थिक वृद्धि को लेकर होड़ जरूर है, लेकिन अभी हमें बहुत लम्बा रास्ता तय करना है। लम्बे समय तक भारत को भूखे नंगे देश के रूप में जाना जाता रहा। उसके बाद भारत को एक बड़े बाजार के रूप में देखा जाने लगा, लेकिन भारत ने जिस तरीके से आर्थिक अवसरों का लाभ उठाया है, उससे भारत अब वैश्विक आर्थिक शक्ति बन चुका है। आर्थिक विशेषज्ञों के विचार काफी अलग–अलग हैं। लेकिन इतना निश्चित है कि भारत के चीन को आर्थिक टक्कर देने के कई कारण हमारे सामने हैं। कुछ समय पहले ऐसा माना जाता रहा था कि चीन की विकास की रफ्तार से दुनिया धीमी पड़ गई है। दुनियाभर के बाजार चीन के माल से पटे पड़े थे। ऐसा शोर मच गया थाध कि चीन जल्द ही अमेरिका को पछाड़ कर दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। लेकिन कोरोना महामारी के चलते चीन की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से हिल गई। आज चीन में बेरोजगारी बहुत बढ़ चुकी है। रियल स्टेट पूरी तरह से धड़ाम हो चुका है।

पिछले साल चीन की इकोनॉमी तीन प्रतिशत की ग्रोथ से बढ़ी जो 10 सालों में सबसे कम है। चीन का एक्सपोर्ट धड़ाम से गिर गया है, सर्विस पीएमआई 8 महीने के लो पर पहुंच गया। कंपनियों पर सरकार की कार्रवाई से भी दुनिया का भरोसा चीन पर कम हुआ है। साथ ही अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ चीन का तनाव चरम पर है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका आज बेहतर स्थिति में दिख रहा है। स्ट्रॉन्ग लेबर मार्केट, कंज्यूमर खर्च में बढ़ोतरी और महंगाई में गिरावट से देश की इकोनॉमी में आत्मविश्वास की बहाली हुई है। कुछ महीने पहले तक अमेरिका के मंदी में फंसने का अनुमान लगाया जा रहा था लेकिन फिलहाल अमेरिका की इकोनॉमी उस स्थिति से बाहर निकल गई है। अगर भारत की बात करें तो लगातार 2 साल से ऐसा हो रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था चीन की अर्थव्यवस्था के मुकाबले ज्यादा तेजी से वृद्धि कर रही है। अनुमान है कि इस वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7 फीसदी रहेगी, जबकि कैलेंडर वर्ष 2022 में चीन की वृद्धि दर अस्वाभाविक रूप से महज 3 फीसदी रही। इसी तरह, पिछले वर्ष भी भारत ने 9.1 फीसदी की दर के साथ चीन को मात दी, जिसकी दर 8.1 फीसदी रही। यह कोविड के लक्षण उभरने से 5 साल पहले तक (कैलेंडर वर्ष 2014–18, और उनके बाद के भारत के वित्त वर्षों में) दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले दो देशों के तुलनात्मक प्रदर्शन के बावजूद हुआ है। तब भारत ने औसत 7.4 फीसदी की वृद्धि दर के साथ पड़ोसी देश चीन को पहली बार पीछे छोड़ा, जो 7 फीसदी की वृद्धि दर ही हासिल कर पाया था। इस तरह यह कहानी चल पड़ी कि भारत दुनिया की वह बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो सबसे तेजी से वृद्धि दर्ज कर रही है और उसने तीन दशकों से इस गौरव के हकदार चीन को इस गद्दी से नीचे उतार दिया है। आजकल आर्ध्थक क्षेत्रों में इस बात पर गम्भीरता से चर्चा हो रही है कि क्या भारत अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर चीन को पछाड़ देगा? भारतीय अर्थव्यवस्था के सभी संकेतक इस समय अच्छा महसूस करने के लिए काफी हैं। वैश्विक वित्त संस्थान भी लगातार भारत की हवा बनाने में लगे हुए हैं। भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों से बुनियादी ढांचे पर अपना खर्च बढ़ाया है और चालू वित्त वर्ष में मार्च 2024 तक रिकार्ड 10 ट्रिलियन यानि 10 लाख करोड़ रुपए का आवंटन किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले 2 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था को 3.7 ट्रिलियन डॉलर से बढ़ाकर 5 ट्रिलियन डॉलर करने की अपनी महत्वाकांक्षा को लेकर दिन–रात एक कर रहे हैं। चीन की अर्थव्यवस्था भारत से 7 गुणा बड़ी है। चीन की तुलना में भारत की प्रतिघ्स्पर्धा क्षमता बढ़ रही है। मॉर्गन स्टेनली ने अपनी रिपोर्ट में भारत को एशिया के सबसे उभरते बाजारों की सूची में पहले नम्बर पर रखा है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में ढांचागत विकास की तेजी, बढ़ते विदेशी निवेश, मजबूत राजनीतिक नेतृत्व, मध्यम वर्ग की बढ़ रही क्रय शक्ति और कार्पोरेट सैक्टर का विकास भारत की अर्थव्यवस्था की ताकत को बढ़ा रहे हैं।

पंजाब में सत्ताधीशों के जागने का वक्त

पंजाब में खेती के लिये अंधाधुंध रासायनिक खाद व कीटनाशकों के प्रयोग से जिस संकट की आहट महसूस की जा रही थी, उस आशंका पर मंडी स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के शोध ने मोहर लगायी है। यह शोध पिछले दो दशक में पंजाब के दक्षिण–पश्चिम क्षेत्र में भूजल की गुणवत्ता में आई गंभीर गिरावट को दर्शाता है। जिससे कैंसर आदि गंभीर रोगों के खतरे में इजाफा हुआ है। लोगों की सेहत पर इसका घातक असर पड़ रहा है। आईआईटी मंडी ने पिछले बीस सालों में भूजल के स्तर में आए बदलाव का व्यापक अध्ययन किया। शोध का निष्कर्ष बताता है कि पंजाब सरकार पीने और सिंचाई में उपयोग में लाये जाने वाले पानी की गुणवत्ता को सुधारने के लिये तत्काल प्रभाव से कदम उठाये। अध्ययन बताता है कि पानी की गुणवत्ता में यह गिरावट कृषि अवशेषों और मानवीय गतिविधियों में आई तेजी से आई है। दरअसल, यह अध्ययन आईआईटी मंडी के स्कूल ऑफ सिविल एंड एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. डीपी शुक्ला व पंजाब की पीएचडी छात्रा हरसिमरनजीत कौर आदि के सहयोग से हुआ। अध्ययन का लक्ष्य यह पता लगाना था कि पेयजल के लिये इस्तेमाल किये जाने वाले पानी की गुणवत्ता वर्ष 2000 से 2020 के बीच कैसे परिवर्तित हो गई। इसमें स्वास्थ्य के लिये खतरा बन रहे नाइट्रेट व फ्लोराइड जैसे घातक पदार्थों के प्रभावों की जांच की गई। साथ ही उन क्षेत्रों का अध्ययन किया गया जहां पानी की गुणवत्ता में सबसे ज्यादा गिरावट हुई है। यह शोध पर्यावरण विज्ञान व प्रदूषण अनुसंधान पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन बताता है कि पानी में कैल्शियम व मैग्नीशियम की मात्रा निर्धारित मानकों से बहुत ज्यादा है, जो लोगों में पथरी बनाने के कारक बनते हैं। अध्ययन बताते हैं कि दक्षिण–पश्चिम पंजाब में लोगों में पथरी की समस्या में वृद्धि देखी गई है। वहीं फ्लोराइड भी निर्धारित मानकों से कहीं अधिक पाया गया है।दरअसल, पंजाब में ये पानी के नमूने 315 स्थानों से लिये गये। जिसमें फ्लोराइड की मात्रा भी अधिक पायी गई। उल्लेखनीय है कि पंजाब में 94 फीसदी आबादी पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिये भूजल पर निर्भर है।

घातक हो रहा है विदेशों में पढ़ाई का क्रेज

पिछले कुछ वर्षों से भारत से विदेशों में जाकर शिक्षा प्राप्त कर वहीं बसने की आकांक्षा का क्रेज बढ़ता जा रहा है। केन्द्र सरकार के अनुसार वर्ष 2016 और 2021 के बीच 26.44 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में पढने के लिए गए। एसोसिएटेड चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचौम) का अनुमान है कि वर्ष 2020 में 4.5 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में शिक्षा प्राप्त करने गए और उन्होंने 13.5 अरब डालर का खर्च किया। वर्ष 2022 में यह खर्च 24 अरब डालर यानी लगभग 2 लाख करोड़ रुपए रहा और रेडसियर स्टार्टजी कन्सलटेंट की रिपोर्ट के अनुसार 2024 तक यह खर्च 80 अरब डालर यानी 7 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है, जब अनुमानित 20 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में पढने के लिए जाएंगे। केन्द्रीय मंत्री बी. मुरलीधरन ने 25 मार्च 2022 को लोकसभा को सूचित किया किया कि वर्तमान में 13 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में पढ़ रहे हैं। यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सरकार के इस वक्तव्य के अनुसार वर्ष 2021 में 4.44 लाख विद्यार्थी विदेशों में पढने गए। एक अन्य सरकारी वक्तव्य के अनुसार नवंबर 30, 2022 तक विदेशों में पढने जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 6.46 लाख थी, यानी 45 प्रतिशत की वृद्धि। यदि राज्यवार ब्यौरा देखें तो वर्ष 2021 तक विदेशों में पढने जाने वाले विद्यार्थियों में 12 प्रतिशत पंजाब से, 12 प्रतिशत ही आंध्र प्रदेश से और 8 प्रतिशत गुजरात से थे। अगर युवाओं की कुल संख्या के अनुपात में देखा जाए तो पंजाब से प्रत्येक हजार में से 7 युवा, आंध्र प्रदेश में प्रति हजार में 4 युवा और गुजरात से प्रति हजार में से कम से कम 2 युवा विदेशों में हर साल पढने जा रहे हैं। यदि वर्ष 2016 से 2022 की संचयी संख्या लें तो स्थिति काफी भयावह दिखाई देती है। पंजाब में यह संख्या 50 प्रति हजार, आंध्र प्रदेश में 30 प्रति हजार और गुजरात में 14 प्रति हजार है। विदेशों में पढने जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि कई कारणों से चिंता का विषय है। सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि ये युवा पढ़ाई और रोजगार की तलाश में विदेशों को पलायन कर रहे हैं और इस कारण देश के समक्ष युवा शक्ति के पलायन की समस्या बढ़ रही है, इससे देश के उद्योग–धंधों के लिए श्रम शक्ति की कमी की समस्या भी आ सकती है। इसके अलावा देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा विदेशों में जा रही है। ऐसा देखने में आ रहा है कि उनके माता–पिता अपनी परिसंपत्तियों को बेचकर इन युवाओं को विदेशों में पढने के लिए भेज रहे हैं। एक समय था कि विदेशों में रह रहे भारतीयों के माध्यम से पंजाब के गांवों में बड़ी मात्रा में विदेशों से धन आता था। विदेशों में पढ़ाई के इस क्रेज के चलते यह प्रक्रिया उलट हो गई है, यानी अब विदेशों से धन आने के बजाय विदेशों को धन भेजा जा रहा है। ऐसे में जब वर्ष 2024 तक विदेशों में पढने जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 20 लाख और उनके द्वाराखर्च की जाने वाली राशि 80 अरब डालर पहुंच जाएगी, तो यह देश के लिए अत्यंत संकटकारी स्थिति का कारण बनेगा। नहीं है देश में शिक्षा सुविधाओं की कमी रू गौरतलब है कि युवाओं का 43796 महाविद्यालय और अन्य स्वतंत्र संस्थान 11296 थे। इसी वर्ष देश में उच्च शिक्षा संस्थानों में 15.51 लाख शिक्षक कार्यरत थे। देश में कई विश्वविद्यालय केन्द्रीय विश्वविद्यालय हैं और कई अन्य राज्य स्तरीय विश्वविद्यालय हैं।

शिक्षा के लिए विदेशों में पलायन, देश में शिक्षा सुविधाओं की कमी की वजह से नहीं है। वास्तव में देश में पिछले दो–तीन दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में भारी प्रगति हुई है। यदि उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों का प्रवेश देखें तो 1990–91 में जहां मात्र 49.2 लाख विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लिया, यह संख्या वर्ष 2020–21 में 414 लाख तक पहुंच गई। मोटे तौर पर उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या पिछले 30 वर्षों में 10 गुणा से भी ज्यादा हो चुकी है। यदि उच्च शिक्षा संस्थानों की बात की जाए तो देखते हैं कि वर्ष 2021 में देश में 1113 विश्वविद्यालय और समकक्ष संस्थान, इसके अलावा बड़ी संख्या में निजी विश्वविद्यालय हैं और कई 'विश्वविद्यालय सम' यानी 'डीम्ड विश्वविद्यालय' हैं। देश में कई विश्वस्तरीय प्रबंधन एवं इंजीनियरिंग संस्थान हैं, जिनसे शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी वैश्विक कंपनियों में उच्च पदों पर आसीन हैं। जहां तक शिक्षा संस्थानों में प्रवेश के लिए फीस का सवाल है, अधिकांश भारतीय शिक्षा संस्थानों में फीस विदेशी संस्थानों में फीस से कहीं कम है और जिन विदेशी संस्थानों में भारतीय युवा प्रवेश ले रहे हैं, उनमें से अधिकांश का स्तर अत्यंत नीचा है। तो सवाल उठता है कि भारी भरकम राशि खर्च कर भारत के युवा विदेशी शिक्षा संस्थानों में प्रवेश क्यों लेते हैं? इसका सीधा उत्तर यह है कि विदेशों में जाने वाले अधिकांश विद्यार्थी उच्च स्तरीय शिक्षा में प्रवेश लेकर वास्तव में कोई उच्च स्तरीय डिग्री प्राप्त करने के लिए जाते हैं, ऐसा नहीं है। आस्ट्रेलिया, कनाडा, और यहां तक कि इंग्लैंड समेत अन्य यूरोपीय देशों में जाने वाले भारतीय विद्यार्थियों का वास्तविक लक्ष्य शिक्षा प्राप्त करना नहीं, बल्कि वहां रोजगार प्राप्त करना है। लेकिन भारतीय युवा यह समझने के लिए तैयार नहीं हैं कि इन देशों में भी रोजगार की भारी कमी है। कई देशों में वहां के स्थानीय लोग भारतीय एवं अन्य देशों से आने वाले युवाओं के खिलाफ हिंसा की वारदातें भी देखने को मिल रही हैं। देश से जाने वाले अधिकांश युवा विद्यार्थी वहां रोजगार प्राप्त करने में असफल हो रहे हैं और उन्हें स्वदेश वापस लौटना पड़ता है, जिसके कारण वे भारी कुंठा का भी शिकार हो रहे हैं। विदेश जाने के क्रेज को थामने की जरूरत रू चूंकि व्यक्तिगत तौर पर विदेशों में जाने वाले युवा विद्यार्थी पूर्व में विदेशों में जाने वाले भारतीयों की सफलता की गाथाओं से प्रभावित होकर विदेशों की ओर रुख कर रहे हैं। लेकिन वे यह समझ नहीं पा रहे कि आज कनाडा, आस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों में, जहां वे शिक्षा संस्थानों में प्रवेश ले रहे हैं, वे शिक्षा संस्थान स्वयं के अस्तित्व को बचाने हेतु भारतीय विद्यार्थियों को आसानी से अपने शिक्षण संस्थानों में प्रवेश दे रहे हैं। यही नहीं, भारतीय और अन्य देशों के अति इच्छुक विद्यार्थियों से भारी फीस ऐंठने हेतु शिक्षा की कई दुकानें भी खुल रही हैं, जिनका वास्तविक शिक्षा से कोई सरोकार नहीं है। ऐसे में केन्द्र और राज्य सरकारों को विदेशों में शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक युवाओं को इस हेतु वास्तविकता से अवगत कराने के लिए विशेष प्रयास करने की जरूरत है, ताकि वे विदेशों में जाकर अपने माता–पिता की गाढ़ी कमाई को यूं ही न गंवा दें। गौरतलब है कि पिछले लगभग दो दशकों से भारत के कई नागरिक एजेंटों के माध्यम से विदेशों में, खास तौर पर खाड़ी के देशों में रोजगार की तलाश में गए और वहां उन्हें कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ा। इन युवाओं के पासपोर्ट तक एजेंटों के द्वारा कब्जा लिए जाते थे और उनका तरह–तरह से शोषण भी किया जाता था। उन्हें अत्यंत अमानवीय परिस्थितियों में रहना पड़ता था, ऐसे में भारत सरकार द्वारा विविध प्रकार के प्रयासों से समझाने की कोशिश की गई और सरकार ने एजेंटों के पंजीकरण को अनिवार्य किया और विदेशों में जाने वाले भारतीयों के हित संरक्षण के लिए विभिन्न प्रकार के प्रयास भी किए। इसी तर्ज पर देश के अनभिज्ञ युवा जो विदेशों में शिक्षा के नाम पर ठगे जा रहे हैं, उन्हें इस समस्या से बचाने के लिए सरकार को प्रयास करने होंगे। समाज के प्रबुद्ध वर्ग को भी आगे आना होगा।

श्राद्ध कर्म की उपयोगिता एवं व्यावहारिकता

भारतीय हिन्दू संस्कृति एवं परम्परा के अनुसार श्राद्ध का अभिप्राय श्रद्धा से है, इसलिए हर वर्ष पितृ पक्ष में अपने पूर्वजों को याद करते श्राद्ध कर्म किया जाता है। प्रत्येक वर्ष पितरों की प्रसन्नता, दुरूखों से मुक्त होने का पर्व श्राद्ध 16 दिनों तक मनाया जाता है। प्रत्येक परिवारजन मृत्युतिथि पर श्राद्ध, पिंडदान, जलदान आदि करके पितरों को तृप्त करते हैं। सनातन धर्मावलंबियों द्वारा पितरों की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए तर्पण, श्राद्ध कर्म आदि करना आवश्यक समझा जाता है। ऐसा माना जाता है कि श्राद्ध करने से कुल में वीर, निरोगी, शतायु एवं श्रेय प्राप्त करने वाली संततियां उत्पन्न होती हैं। श्राद्ध करने से वृद्धि, पुष्टि, स्मरण शक्ति, धरणा शक्ति, पुत्र–पौत्रादि एवं ऐश्वर्य की वृद्धि होती है। भारतीय संस्कृति में पुत्रों या पौत्रों द्वारा पितरों के प्रति श्रद्धा तथा आस्था रखते हुए उनकी मुक्ति, सद्गति तथा शांति के लिए श्राद्ध कर्म करने का उत्तरदायित्व निभाना एक सभ्य, संस्कारी तथा जिम्मेदार मनुष्य की निशानी समझा जाता है। श्राद्ध का अर्थ श्रद्धापूर्वक किया हुआ वह संस्कार जिससे पितर संतुष्टि प्राप्त करते हैं। पितृपक्ष आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होता है जो अमावस्या तक रहता है। मान्यता है कि पितृपक्ष में श्राद्ध और तर्पण करने से पितर प्रसन्न होते हैं और परिजनों को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हैं। मानवीय मूल्यों पर विचार करते हुए यह ठीक भी है कि हमें पारिवारिक जड़ों को याद रखते हुए अपने पूर्वजों के लिए आदर एवं सम्मान व्यक्त करना चाहिए। धार्मिक संस्कारों तथा सामाजिक परम्पराओं को जीवित रखते हुए यह आवश्यक भी है। संस्कृति तथा परम्पराओं का सम्मान करते हुए व्यक्ति को कुछ आवश्यक बातों पर गम्भीरतापूर्वक भी विचार करना चाहिए। वर्ष में एक बार पितृपक्ष में श्राद्ध कर्म के समय अपने पूर्वजों तथा माता–पिता का कुत्ते, कौवे, गाय तथा भिखारी में अपने प्रियजनों का अक्स देखने वालों को यह याद रखना चाहिए कि हमने अमुक व्यक्ति के साथ उसकी मजबूरी, बीमारी तथा उसके जीते जी कैसा व्यवहार किया है? रूढ़िवादी परम्पराओं में लिप्त तथा आडम्बर करते हुए अपने भावों की अभिव्यक्ति का कोई लाभ नहीं होता। यदि हमने किसी व्यक्ति के साथ समय रहते अच्छा व्यवहार नहीं किया हो, उसका दुरूख–दर्द महसूस न किया हो, मृत्युपरांत मात्र लोक लाज के लिए दिखावा एवं ढकोसलेबाजी करना कहां तक सही है? वर्तमान समाज में अपने माता–पिता तथा बुजुर्गों के साथ अपमान, अत्याचार, बदतमीजी तथा मारपीट करने की बहुत सी घटनाएं सामने आ रही हैं। घर के पालतु कुत्ते बुजुर्गों से अधिक प्रिय एवं सम्मानीय हो चुके हैं। घर में तकलीफ, लाचारी, बीमारी से ग्रसित वृद्ध रात भर कराहता रहता है। भोजन, पानी तथा दवाई के लिए तरसता रहता है, लेकिन उसकी सुनवाई नहीं होती। संस्कार रहित युवा तथा घर के बच्चे भी उसकी उपेक्षा करते हुए बदतमीजी करते हैं। समाज में असहाय वृद्धों को घरों के भीतर मारपीट तथा प्रताड़ित किया जाता है। फिर मरने के बाद पितृ कर्म से पुण्य प्राप्त करने का आडम्बर करते हैं। ऐसे निष्ठुर तथा क्रूर लोगों को तो जन्मजन्मांतर तक भी सुख–शांति तथा चौन नहीं मिलना चाहिए। ऐसे व्यक्तियों को तो सामाजिक तथा कानूनी दृष्टि से अपराधी घोषित किया जाना चाहिए। वर्तमान समाज में वृद्ध आश्रम का

खुलना विकास की निशानी समझा जा रहा है, लेकिन यह हमारी बुद्धि एवं सोच का दिवालियापन है। हालांकि किसी मजबूर एवं लाचार व्यक्ति के लिए ये वृद्धाश्रम वरदान भी साबित हुए हैं। कड़वा सच यह है कि समाज में अधिकतर वृद्ध अपनी ही औलादों के निकृष्ट एवं असंवेदनशील व्यवहार से कुंठित एवं ग्रसित हैं। घरों में वृद्धों को रखने तथा उनकी रोजाना भोजन व्यवस्था पर बेटों और बहुओं को आमतौर पर लड़ते–झगड़ते तथा हिसाब–किताब करते देखा गया है। अनेकों बड़े सम्भ्रांत परिवारों, पढ़े–लिखे, राजनेताओं, व्यापारियों तथा आला अधिकारियों के घरों में यह जगजाहिर तथा खुला सत्य है। यह बहुत ही गंभीर एवं विचित्र स्थिति है। ऐसे में विचार करने योग्य है कि मरने के चार वर्षों के उपरांत यदि किसी मृत आत्मा को श्राद्ध तिथि के अवसर पर पूड़ी, खीर, पकवान, फल, मेवे तथा वस्त्र मिल भी जाएं तो किस काम के? वृद्धाश्रम में रहने वाले उपेक्षित वृद्धों का मानना है कि जीते जी उनकी संतानें कपड़े, दवाई तथा खाने को भोजन नहीं देती तथा मरने के बाद लोकलाज के लिए श्राद्ध, पिंडदान तथा तर्पण का दिखावा करते हैं। अभी हाल ही में कानपुर के रेडियोलॉजिस्ट डॉ. प्रेम साहनी का बेटा उनकी मृत्यु पर कनाडा से घर नहीं पहुंच पाया। उल्लेखनीय है कि डॉ. साहनी अपने आवासीय परिसर में ह्रदयघात या फिर कोई जहरीला पदार्थ निगलने से मृत पाए गए थे। चण्डीगढ़ निवासी उनकी बहन डॉ. डेजी तथा डॉ. संजीव ने उन्हें मुखाग्नि दी तथा उनके बेटे को वीडियो कॉल से अन्तिम दर्शन करवाए गए। समाज को आधुनिक, व्यावसायिक तथा भौतिकवादी इन विचित्र स्थितियों पर गम्भीरता से विचार करना होगा। अपने पूर्वजों के सम्मान तथा उनकी आत्मिक शांति के लिए श्रद्धा का प्रतीक श्राद्ध अवश्य करें, परन्तु जीते जी उनसे प्रेम करें, उनका सम्मान करें, उन्हें सुख–शान्ति प्रदान करें। श्राद्ध कर्म का फर्ज निभाते हुए वृद्धों का दर्द भी महसूस करने का प्रयास करें। यह श्राद्ध कर्म सामाजिक रूप से पीढियों की सुख–शांति के लिए आवश्यक है, वहीं पर सही अर्थों में इसकी व्यावहारिकता को समझने की आवश्यकता है। मानवीय, सामाजिक, नैतिक तथा सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करते हुए मृत प्रियजनों का श्रद्धापूर्वक श्राद्ध करते हुए जीवित प्रियजनों के लिए सेवा, आदर एवं श्रद्धा का भाव रखें।

परिवारों को गुलामी की ओर भेजना

पश्चिम बंगाल के पिछड़े जिलों में कई परिवारों को अपने किशोर बेटों को जबरन मजदूरी में धकेले जाने के बारे में बहुत कम या कोई जानकारी नहीं है। चेन्नई में एक आभूषण बनाने वाली इकाई से बचाए गए 22 लड़कों में से एक, सोफिर शेख (17) का परिवार जानता था कि उसे दिन में 16–18 घंटे काम करना पड़ता है, लेकिन फिर भी उन्होंने उसे इस आश्वासन के आधार पर भेजा कि वह काम करेगा। दिन में तीन बार भोजन करें और एक नया व्यापार सीखें। उनके जैसे कई परिवारों के लिए, यह उनके गरीबी से त्रस्त घरों से बाहर निकलने का रास्ता था। जब सोफ़िर भंडारगाचा में अपने घर से लगभग 1,700 किमी दूर चेन्नई के एलीफेंट गेट में एक इकाई में मेहनत कर रहा था, तो उसके माता–पिता फरहिना बीबी और अबू बेकर शेख, जिन्होंने महामारी के दौरान एक ढाबे में अपनी नौकरी खो दी थी, जानते थे कि काम कठिन था। डायर स्ट्रेट्स "मुझे पता था कि वह दिन में लगभग 16 घंटे काम कर रहा था और यह उसके लिए कठिन था। लेकिन मैंने खुद को यह कहते हुए सांत्वना दी कि वह सुरक्षित है और जब वह गहने बनाने की कला सीख लेगा तो उसका भविष्य सुरक्षित हो जाएगा, "उसके पिता ने कहा। मौखिक रूप से उन्हें पता चला कि पड़ोसी गाँव का एक व्यक्ति चेन्नई में आभूषण बनाने की इकाई चला रहा था और युवा लड़कों को रोजगार दे रहा था। "मैंने सोफ़िर को नौकरी दिलाने के लिए उनसे संपर्क किया। महामारी के बाद उसने स्कूल जाना बंद कर दिया और मेरी नौकरी भी चली गई। मेरे पास अपने बेटे को काम पर भेजने के अलावा कोई विकल्प नहीं था," उन्होंने कहा। "हमें बताया गया कि वे उन्हें भोजन और मुफ्त आवास देंगे, और उन्हें सोने के आभूषण बनाना सिखाएंगे। और वह, एक या दो साल के बाद, वह कमाई करना शुरू कर देगा," फरहिना ने कहा।खतरनाक उद्योग श्रेणी के अंतर्गत आने वाली इकाई से बचाए जाने के बाद घर लौटे हुए उसे 7 महीने हो गए हैं, जिसमें 18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्तियों को रोजगार देना प्रतिबंधित है। लड़का अब बाल बंधुआ मजदूरी प्रणाली से बचे लोगों के लिए पश्चिम बंगाल सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम में नामांकित है। "मैंने यूनिट में दो महीने तक काम किया। काम सुबह 6 बजे शुरू होता है और 11 बजे तक चलता है. एक घंटे के ब्रेक के बाद, यह दोपहर 12 बजे से फिर से शुरू होगा और रात 2 बजे से सुबह 4 बजे (अगले दिन) तक चलेगा। यह बहुत कठिन था, लेकिन मुझे अपनी पारिवारिक स्थिति के कारण इसका अफसोस नहीं था," आठवीं कक्षा छोड़ने वाले लड़के ने याद करते हुए कहा।बचाए जाने पर, उन्हें केंद्रीय क्षेत्र योजना के पुनर्वास कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 30,000 रुपये और रिहाई प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।सोफिर के दोस्त समीन मंडल भी ऐसी ही कहानी साझा करते हैं। "मैंने वहां लगभग 16 महीने तक काम किया। जब से मैं घर वापस आया हूं, बेरोजगार हूं। मुझे नहीं पता कि बिना किसी काम के हमें यहां क्या करना चाहिए," उन्होंने अफसोस जताया।

बसारत जिले के माधवपुर के एक परिवार से आने वाला 17 वर्षीय युवक अपने परिवार का समर्थन करने के लिए काम के लिए चेन्नई लौटना चाहता था और भविष्य में आभूषण बनाने का काम करना चाहता था।

'3,000 रुपये प्रति माह वेतन'

दक्षिण 24 परगना जिले के माईपिट के मूल निवासी चरणजीत मंडल के लिए स्थिति और भी खराब है।

उन्हें 6 सितंबर, 2019 को वॉलटैक्स रोड की एक इकाई से मुक्त कर दिया गया। "मुझे कोई वित्तीय सहायता नहीं मिली। मैं घर पर हूं और कुछ साल पहले घर लौटने के बाद से नौकरी पाने में असमर्थ हूं," मंडल, जो अब 19 साल का है। वह पांच इकाइयों से बचाए गए 10 से 17 साल की उम्र के 61 लड़कों में से एक था। सोफिर और सैमिन के विपरीत, उन्हें यूनिट में काम से नफरत थी। "यह व्यस्त था। प्रतिदिन 12–13 घंटे से अधिक काम करने के लिए मुझे 3,000 रुपये का मासिक वेतन दिया जाता था, "उन्होंने कहा। "काम सुबह 9 बजे शुरू हुआ और देर रात तक जारी रहा।"

पाँच लोगों के परिवार में सबसे बड़ा बच्चा होने के नाते, चरणजीत को चिंता है कि वह अपने पिता किंकर मंडल का भरण–पोषण करने में असमर्थ होगा, जो केरल में राजमिस्त्री का काम करते हैं। इन परिवारों को जोड़ने वाली अदृश्य कड़ी उनके बच्चों को बंधुआ मजदूरी के लिए मजबूर किए जाने, वेतन चोरी के माध्यम से शोषण और खतरनाक वातावरण में लंबे समय तक काम करने के बारे में जागरूकता की कमी है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा की कमी प्रेरक शक्तियाँ प्रतीत होती हैं। गाँव के कई बुजुर्ग आभूषण बनाने के उद्योग को युवा लड़कों के लिए एक लॉन्च–पैड के रूप में देखते हैं जहाँ उन्हें गहने बनाना सीखते समय "मुफ्त भोजन और आवास" मिलता है। इसका मतलब है एक "गारंटी वाली नौकरी" जो उनके कर्ज को चुकाने और परिवारों को गरीबी से बाहर निकालने में मदद करती है। उन्होंने कहा, अगला भोजन ही एकमात्र ऐसी चीज है जो सबसे ज्यादा मायने रखती है।ुनः बंधन बंद करो नागरिक समाज संगठनों और कार्यकर्ताओं की राय है कि पश्चिम बंगाल सरकार ने अब जबरन श्रम के लिए बच्चों की तस्करी की व्यापकता को स्वीकार कर लिया है। पश्चिम बंगाल के श्रम विभाग ने हाल ही में 22 अगस्त को बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस मनाने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया और बचे लोगों के एक समूह को कौशल विकास कार्यक्रम के लिए नामांकित किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने जीवित बचे लोगों और उनके परिवार के सदस्यों से भी बातचीत की।

प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को वितरित किया गया टैबलेट

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। 12 अक्टूबर खुटहन ब्लाक मुख्यालय के सभागार में शुक्रवार को परिषदीय विद्यालयों में टेबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख बृजेश कुमार यादव रहे। मुख्यअतिथि ने कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा यह जो नई पहल की गई है यह एक क्रांतिकारी कदम है जो उत्तर प्रदेश के शिक्षा क्षेत्र में नई दृष्टिकोण लाने की दिशा में है। यह टैबलेट आप सभी शिक्षकों को विभिन्न शैक्षणिक और विद्यार्थी संपर्क में रहने में मददगार होगा, टैबलेट के जरिए अध्यापकों के माध्यम से छात्र अच्छी से अच्छी शिक्षा उपलब्ध हो सकेगा। शिक्षा और भविष्य के लिए एक व्यापक संभावना हो सकती है। उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि अब आप सभी को पहले जिस रूप में देखा जाता था उस रूप में नहीं दिखाई देते हैं आप सभी के विचारों का भी कार्यकल्प हो गया है जब आप सभी शिक्षा को ऊंचाई की बुलंदियों तक ले जाएंगे तो बच्चों के साथ–साथ उनके माता–पिता गांव व जिले का नाम होगा देश प्रदेश का नाम होगा।

खण्ड शिक्षाधिकारी अधिकारी शशांक कुमार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी प्राथमिक विद्यालयों को टैबलेट जनप्रतिनिधि के माध्यम से दिया जाना है जिसके लिए ब्लॉक मुख्यालय की सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया खण्ड शिक्षा अधिकारी ने टैबलेट की उपयोगिता में बताते हुए कहा कि बच्चों को चंद्रयान जैसे देश को गौरवान्वित करने वाला पल, डिजिटल पढ़ाई व डिजिटल इंडिया के तहत सभी पाठ्यक्रम को टैबलेट में दिखाने में मदद होगा। यह पूर्ण रूप से बच्चों के लिए उपयोगी होगा। इसके साथ–साथ प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री द्वारा ऐसा कार्यक्रम जो उनके लिए हितकर होगा, ऐसा कार्यक्रम भी दिखाएं जाने में सुविधाजनक होगा। बेसिक शिक्षा विभाग के द्वारा आदित्यनाथ योगी के आदेश पर टैबलेट पर प्राथमिक विद्यालय पर दो टैबलेट दिया जाना है योगी सरकार के आदेश है जिससे बच्चों को डिजिटल पठन–पाठन का कार्य टैबलेट के माध्यम से किया जा सके। रियल टाइम डाटा उपलब्ध करा सकेंगे। टैबलेट मिलने के बाद उपस्थित ,मिड–डे मील सहित अन्य जानकारी के बारे में माध्यमिक शिक्षा ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर जागरूकता शिविर आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के एक्शन प्लान वर्ष 2023–24 के निर्देशानुसार एवं श्रीमती वाणी रंजन अग्रवाल जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर के निर्देशन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर के तत्वावधान में (क्ंल वि ळपतसे बेपसकंदक ब्मतअपबंस ब्ंदबमत) के विषय पर 11 अक्टूबर बुधवार को ''मुक्तेश्वर महाविद्यालय, जौनपुर'' में विधिक साक्षरताध्जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। वरिष्ठ चिकित्सक डा0 जया राय एवं डा0 सीमा सिंह द्वारा बताया गया कि सर्वाइकल कैंसर ह्यमून पैरिलोमावायरस (एचपीवी) संक्रमण के कारण होते है। एचपीवी वायरस का एक समूह है जो दुनियाभर में बेहद आम है। एचपीवी के 100 से अधिक प्रकार है, जिनमें से कम से कम 14 कैंसर पैदा करने वाले है (जिन्हें उच्च जोखिम प्रकार भी कहा जाता है) दो एचपीवी प्रकार (16 और 18) 70 प्रतिशत सर्वाईकल कैंसर और कैंसर से पहले के सर्वाइकल का कारण बनते है। जिसके उपचार हेतु सर्जरी, रेडिएशन थेरेपी, कीमोथेरेपी द्वारा किया जाता है। मध्यस्थ डा0 दिलीप सिंह द्वारा बताया गया कि हर साल 11 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। बालिकाओं के अधिकारां, चुनौतियों और अवसरों को लेकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरुक करना यह न सिर्फ जेंडर इक्वालिटी को बढ़ावा देता है, बल्कि स्वास्थ्य शिक्षा और लड़कियों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने का वकालत करता है। हम दुनिया भर में लड़कियों के अधिकारों, चुनौतियों और अवसरां को पहचानने के लिये अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाते हैं यह न केवल लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है बल्कि स्वास्थ्य शिक्षा और सुरक्षित वातावरण के उनके अधिकारों को सुनिश्चित करता है। पैनल अधिवक्ता देवेन्द्र कुमार यादव द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं के क्रियान्वयन से सम्बन्धित कानूनों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान करायी गयी। साथ ही राष्ट्रीय लोक अदालत एवं विशेष लोक अदालत के लाभों के बारे में भी बताया। इस अवसर पर रिसोर्स पर्सन सविता यादव, रुपा सिंह, रिमाण्ड लॉयर अवधेश मौर्या, पी0एल0वी0 शिवशंकर सिंह, सुनील कुमार समस्त अध्यापक व छात्रायें उपस्थित रहीं।

सनातन धर्म व अखंड भारत के स्टार प्रचारक हैं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ : मृत्युंजय दीक्षित

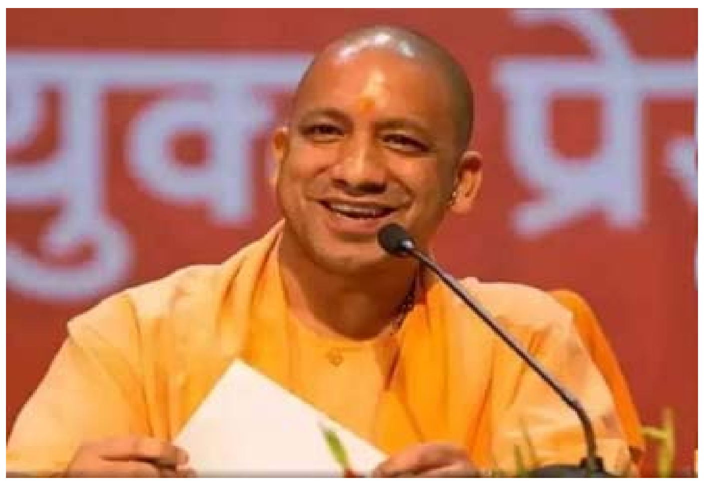

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अब कुशल नेतृत्व कर्ता, प्रदेश में समाज के हर वर्ग के विकास के संवाहक के साथ ही सनतान धर्म व अखंड भारत के स्टार प्रचारक भी बन चुके हैं। सनातन धर्म और अखंड भारत को लेकर मुख्यमंत्री योगी जी के बयानों की चर्चा अब भारतीय मीडिया में ही नहीं अपितु विदेशों में भी हो रही है। योगी जी की सनातन धर्म पर स्पष्टवादिता से भारत की संपूर्ण सेक्युलर जमात में खलबली मच गयी है और उनको उत्तर देने के प्रयास में सनातन विरोधी सिद्ध होती जा रही है। तमिलनाडु के द्रमुक नेता उदयनिधि द्वारा सनातन धर्म का उन्मूलन करने वाले शर्मनाक बयान के बाद से ही योगी जी सक्रिय हैं और अब सनातन धर्म की विशेषताओं की चर्चा करने का कोई भी अवसर नहीं चूकते।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश के हिंदू आस्था के सभी केंद्रों, प्रतीकों का विकास व सम्मान हो रहा है। अयोध्या, मथुरा, काशी के साथ ही अन्य छोटे छोटे धार्मिक महत्व के स्थानों का विकास हो रहा है तथा उनके सुंदरीकरण व विस्तार की योजनाओं पर काम चल रहा है जिसके कारण सनातन समाज में प्रसन्नता की लहर है। उधर कांग्रेस के नेतृत्व में संपूर्ण विपक्ष जातिगत जनगणना के नाम पर हिंदू समाज को बांटने की रणनीति पर काम कर रहा है इधर योगी जी की स्पष्टवादिता है कि सनातन धर्म ही एकमात्र मात्र धर्म है।

सनातन धर्म के तेजस्वी प्रतिनिधि के रूप में योगी जी की लोकप्रियता तीव्रता के साथ बढ़ रही है ।जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं वहां पर स्टार प्रचारक के रूप में सबसे अधिक डिमांड ह योगी आदिदत्यनाथ हो रही है। हर राज्य की जनता चाहती कि उनके यहां पर भी योगी जी जैसा ही मुख्यमंत्री हो।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आर्य समाज के कार्यक्रम में कहा, कि आर्यसमाज के संस्थापक दयानंद सरस्वती जी ने घर वापसी का जो अभियान आरम्भ किया था उसे फिर से प्रारंभ किया जाये। आर्य समाज ने वैदिक संस्कृति के प्रसार के लिए जो कार्य किये थे उन्हे भी पुनः प्रारम्भ किया जाये । योगी जी के बयानों से सपा बसपा कांग्रेस सहित सभी सेक्युलर दल बुरी तरह से चिढ़ गये और विकृत मानसिकता से सराबोर होकर बयानबाजी करने लगे। इसी प्रकार गोरखपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में योगी जी ने स्पष्ट रूप से कहा कि सनातन ही एकमात्र धर्म है बाकी सब संप्रदाय और उपासना पद्धतियां हैं।

तमिलनाडु के द्रमुक नेता उदयनिधि को करारा जवाब देते हुए योगी जी ने कहा कि सनातन धर्म मानवता का धर्म है। यदि सनातन धर्म पर आघात होगा तो विश्व की मानवता पर संकट आ जएगा। योगी जी के एक के बाद एक वक्तव्यों से मुस्लिम तुष्टिकरण करने वाले दलों की छटपटाहट स्पष्ट रूप से दिखलाई पड़ रही है इन दलो को कोई उत्तर नही सूझ रहा है अपितु जब प्रदेश का विकास हो रहा है और कानून व्यवस्था भी सुदृढ़ हो रही है उस समय यह लोग प्रदेश का वातावरण दूषित करने के लिए विश्व के सर्वाधिक खूंखार आतंकवादी संगठन हमास के समर्थन में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

अभी तक तो योगी जी केवल सनातन धर्म पर ही बात कर रहे थे लेकिन अब उन्होंने सिंधी समाज के एक बड़े कार्यक्रम में कहा कि जब हम 500 वर्षो के बाद श्री रामजन्मभूमि को वापस ले सकते हैं तो फिर सिंधु को क्यो नहीं? योगी जी के इस बयान ने आम भारतीयों को ही नहीं अपितु पाकिस्तान व उसके समर्थक देशों को भी हैरान कर दिया है। आज न सिर्फ भारत में ही अपितु पाकिस्तानी मीडिया व भारत विरोधी एजेंडा चलाने वाले मीडिया में योगी जी के बयानों पर बहस हो रही है तथा चिंता व्यक्त की जा रही है। सिंधु को वापस लेने वाली बात पाकिस्तानी सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा में है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आगे कहा कि सिर्फ एक व्यक्ति की जिद की वजह से देश का विभाजन हुआ ।लाखों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। भारत का एक बड़ा भू भाग पाकिस्तान के रूप में भी चला गया। सिंधी समाज ने उस दर्द को सबसे अधिक झेला है। उन्हें अपनी मातृभूमि छोड़नी पड़ी है। योगी ने कहा कि सिंधी समाज युवा पीढ़ी को इतिहास के विषय में बताये। उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। जनवरी –2024 में रामलला अपने मंदिर में फिर से विराजेंगे। मुख्यमंत्री ने सिन्धी समाज की दुखती राग को समझा और कहा कि आज भी आतंकवाद के रूप में हमें विभाजन की त्रासदी के दंश को झेलना पड़ता है। सभ्य समाज आतंकवाद व अराजकता को बर्दाश्त नहीं कर सकता। धर्मग्रंथ भी हमें यही प्रेरणा देते हैं। पूज्य झूलेलाल जी हों या श्रीकृष्ण सभी ने मानव कल्याण की बात कही है ।बंटवारे जैसी त्रासदी फिर कभी न आने पाए इसके लिए हमें राष्ट्र प्रथम का संकल्प लेना चाहिए। योगी जी इस अवसर पर आतंकवाद के खिलाफ भी मुखर रहे । आतंकवाद पर उनका कहना है कि कोई भी सभ्य समाज आतंकवाद व उग्रवाद या किसी भी प्रकार की आराजकता को कभी मान्यता नहीं दे सकता। सिंधी समाज पर योगी जी ने कहा कि सिंधी समाज भारत के सनातन धर्म का अभिन्न हिस्सा है। सिंधी समाज ने सम– विषम परिस्थितियां में अपने पुरूषार्थ से खुद को आगे बढ़ाया है।

स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चाहे जिस कार्यक्रम में हो वहां पर सनातन संस्कृति व सभ्यता का ही डंका बजाते हैं। प्रदेश सरकार द्वारा ऐसे कई विकासपरक कार्यक्रम भी चलाये जा रहे हैं जिनके माध्यम से सनातन संस्कृति के विभिन्न केंद्र बिंदुओं का विकास हो रहा है फिर वह चाहे पर्यटन हो, एक जिला एक उत्पाद योजना हो या फिर नारी सशक्तीकरण हेतु चलायी जा रही विभिन योजनाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब जिलों के भ्रमण पर जाते हैं तब स्थानीय महत्व के धार्मिक स्थलों,स्मारकों का भ्रमण और उनके विकास कार्यां की समीक्षा करना नहीं भूलते ।योगी जी अगर अयोध्या जाते हैं और रामलला के दर्शन करते हैं तो वह काशी जाकर विश्वनाथ धाम जाते हैं और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर जाते हैं। शाकम्भरी माता, नैमिषारण्य, पृथ्वीनाथ, विंध्याचल, चित्रकूट कोई भी स्थल योगी जी की सनातन दृष्टि से छूटा नहीं है।

यह योगी जी के कठोर श्रम व उनके अनथक प्रयासों का ही प्रतिफल है कि विन्ध्यांचल के विकास कार्य अंतिम चरण में है और बहुत जल्द ही उनका भी लोकार्पण संभव है। अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा तो जनवरी में होगी किंतु अयोध्या के कारण ही सही हिंदू सनातन की विजय गाथा नवम्बर –2023 की दीपावली से ही दृष्टिगेचर होने जा रही है। अयोध्या में इस बार भव्य दीपोत्सव का आयोजन बहुत ही अनूठा व भव्य होने जा रहा है जिसकी तैयारियां चल रही हैं। समस्त हिंदू सनातन समाज को ऐसे मुख्यमंत्री पर गर्व है जो सनातन संस्कृति का हर प्रकार से विकास तो कर ही रहा है साथ ही सनातन विरोधियों व भारत विरोधी ताकतों में भय उत्पन्न करने में भी सफल हो रहा है।

दो दिन पूर्व ही रोहतक में बाबा मस्तनाथ मठ में आयोजित कार्यक्रम में सनातन के जयकारे के साथ सभा को संबोधित करते हुए योगी जी ने कहा, केवल सनातन ही विश्व में शांति और सुरक्षा की गारंटी है ।

स्वाभाविक है विरोधी दल इन खरे बयानों से सकते में हैं । कुछ न सूझने पर वे योगी जी के भगवा धारण करने पर ही अनाप –शनाप बयानबाजी कर अपनी विकृत मानसिकता को उजागर कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय कहते हैं कि रामनामी धारण कर कानून व्यवस्था पर झूठ बोलते हैं मुख्यमंत्री जबकि वास्तविकता यह है कि आज योगीराज में हर धर्म, जाति व संप्रदाय के लोग सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। एक भगवाधारी महंत ही खूंखार माफियाओं को धूल चटा रहा है। बुलडोजर की आवाज से अच्छे –अच्छे माफिया कांप रहे है और अपने आप ही थाने में आत्मसमर्पण करने के लिए पहुंच रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से यह पूछा जाना चाहिए कि जब पंजाब में कांग्रेस की सरकार थी तब वहां पर मुख्तार अंसारी को किसने शरण दी थी। प्रदेश के कई बड़े माफियाओं का साम्राज्य सपा, बसपा व कांग्रेस के राज में ही पनपा था जिसे भगवाधारी महंत ही ढहा रहा है जिसके कारण इन दलों को दर्द हो रहा है।

कुछ दिनों पूर्व बंगाल से कुछ हिंदू नागरिक लखनऊ आये थे और उन्होंने योगी जी से भेंट में कहा कि आप ही हिंदू समाज व उनकी बेटियों की रक्षा कर सकते हैं। इसी प्रकार चुनाव प्रचार के लिए भी अब कई राज्यों से योगी जी की डिमांड आ रही है क्योकि जहां जहां पर योगी जी की रैलियां आयोजित की जाती हैं वहां वहां पर भाजपा की विजय के आसार भी बन जाते हैं। यही कारण है कि आगामी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी अपनी विजय के लिए योगी जी की बड़ी रैलियां आयोजित करवाने का निर्णय लिया है।

अमीनाबाद व्यापार मंडल के प्रयास से अमीनाबाद को मिली नयी पार्किंग की सौगात

लखनऊ (संवाददाता)। पिछले रविवार को ही अमीनाबाद व्यापारी व्यापार मंडल की इकाई का गठन हुआ था। जिसके अध्यक्ष अरविन्द सोनकर को चुना गया था। शपथ ग्रहण समारोह में अमीनाबाद क्षेत्र पार्किंग की समस्या का मुद्दा उठाया गया था। व्यापार मंडल की इकाई गठन के तुरन्त बाद अध्यक्ष अरविंद सोनकर ने इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेते हुये प्रयास किये। जिसके चलते अमीनाबाद स्थित जनाना पार्क में भूमिगत पार्किंग निर्माण को नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह ने निर्देश दे दिये।

आरा मशीन संचालक को गोली मारने वाला बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

1–पुलिस मुठभेड़ के दौरान बदमाश के पैर में लगी गोली उपचार हेतु ट्रामा सेंटर रेफर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मड़ियाहूं थाना अंतर्गत नेवादा गांव में गुरुवार की देर शाम पल्सर बाइक सवार तीन हमलावरों ने आरा मशीन संचालक से बात करते करते सीने में गोली मार दी और असलहा लहराते हुए भाग रहे थे कि हमलावरों में से एक को ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए पकड़ लिया। खंभे में बांधकर जमकर दैहिक समीक्षा करने लगे। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस पकड़े गए बदमाश को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। घायल को उपचार के लिए परिजन वाराणसी ट्रामा सेंटर ले गए थे। जहां रात में मौत हो गई। घटना से बौखलाहट में आई पुलिस ने गुरुवार रात एक और बदमाश को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया है बदमाश को दो गोलियां भी लगी है।

थाना क्षेत्र के नेवादा निवासी जय प्रकाश सिंह घर के बगल में ही आरा मशीन चलाते थे। गुरुवार की शाम जय प्रकाश सिंह आरा मशीन के बाहर सड़क पर खड़े थे। उसी समय पड़ोसी गांव महमूदपुर के तीन युवक पल्सर बाइक से पहुंचकर किसी बात को लेकर उसने ने कहासुनी करने लगे। इसी दौरान उनमें से एक ने जय प्रकाश सिंह के सीने में गोली मार दी। लहूलुहान होकर वह जमीन पर गिरकर छटपटाने लगे। हमलावर असलहा लहराते हुए भागने लगे। उनमें से एक को ग्रामीणों ने दौड़ाकर पकड़ लिया। उसके अन्य दोनों साथी भाग गए। ग्रामीणों की मदद से परिजन घायल जय प्रकाश सिंह को उपचार के लिए वाराणसी भेजा गया जहां रात में मौत हो गई।

घटना के संबंध में शुक्रवार को जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा ने बताया कि मड़ियाहूं थाना अंतर्गत आरा मशीन संचालक को गोली मारने की सूचना प्राप्त हुई थी मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज हेतु भेजते हुए घटना स्थल से एक अभियुक्त गोलू यादव पुत्र सभाजीत यादव ग्राम महमदपुर थाना मड़ियाहूँ को पुलिस हिरासत में लिया गया था तथा शेष दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए 10 टीमों का गठन कर लगा गया। दबिश के दौरान मड़ियाहूँ थाना अन्तर्गत रामनगर ब्लाक मोड़ के पास मुख्य अभियुक्त अभिषेक यादव पुत्र अच्छेलाल यादव ग्राम महमुदपुर के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई जिसमें अभियुक्त को दो गोली लगी है। घायल अभियुक्त को इलाज हेतु हायर सेंटर रवाना किया गया है। पुलिस द्वारा अन्य विधि कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा द्वारा लगातार अपराधियों की धर पकड़ के लिए लगातार ऑपरेशन लंगड़ा अभियान चलाया जा रहा है बावजूद इसके हौसला बुलंद अपराधियों द्वारा लगातार हत्या और गोली मारने जैसी घटना को जिले में अंजाम दिया जा रहा है बदमाशों के अंदर पुलिस भय नहीं व्याप्त है।

इन्सपायर अवार्ड मॉनक योजना 2021–22 की राष्ट्रीय प्रदर्शनी से उत्तर प्रदेश के बेसिक विद्यालय से पूजा चयनित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इन्सपायर अवार्ड मॉनक योजना 2021 के राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन दिनाँक 9 से 10 अक्टूबर 2023 को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित किया गया

जे डी माध्यमिक लखनऊ कार्यालय के मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि इस राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश से कुल 10 राज्य स्तरीय विजेताओं को अपने नवाचारी मॉडल को शोकेश करने का अवसर प्राप्त हुआ जिसमें लखनऊ मण्डल से सर्वाधिक 3 प्रतिभागी सम्मिलित हुए,साथ ही अयोध्या मण्डल से 'बाराबंकी जनपद के विकास खण्ड सिरौली गौसपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय अगेहरा की कक्षा 8 की छात्रा पूजा' को अपने नकाचारी मॉडल को प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त हुआ।

डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि उक्त प्रदर्शनी में भारतवर्ष के सभी राज्यों से कुल 441 प्रतिभागियों को अपने अपने मॉडल शोकेश करने का अवसर प्राप्त हुआ जिनके मूल्यांकन के लिए एन0आई0एफ0 द्वारा उच्च कोटि के वैज्ञानिकों की एक बड़ी टीम लगाई गई थी।

इस राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी से पूरे भारतवर्ष से कुल 60 उत्कृष्ट बाल वैज्ञानिकों का चयन किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जनपद की 'पूजा' एकमात्र है

घ्पूजा ने अपने मार्गदर्शक शिक्षक राजीव श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में नवाचारी 'नवाचारी थ्रेसर–भूसा पृथक्करण मशीन' का मॉडल प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया,

डॉ0 दिनेश कुमार ने बताया कि पूजा के नवाचारी मॉडल की विशेषता ये रही कि प्रत्येक वर्ष गेहूँ की मड़ाई के समय थ्रेसर मशीन से निकलने वाले भूसे व भूसे के साथ वातावरण में प्रदूषण के रूप में फैलने वाले धूल गर्दों को रोकना है,इन्हीं धूल गर्दों से उत्तर प्रदेश राज्य की एक बड़ी आबादी अस्थमा जैसी कई बीमारियों का शिकार भी होती हैं।

अब पूजा को पूरे भारतवर्ष से चयनित 60 उत्कृष्ट मॉडल्स में अपने मॉडल को राष्ट्रपति भवन में शोकेश करने का अवसर प्राप्त होगा।

पूजा की इस ऐतिहासिक सफलता पर शिक्षा निदेशक बेसिकध् माध्यमिक डॉ0महेंद्र देव,ने बधाई दी,साथ ही इन्सपायर अवार्ड मॉनक योजना द्वारा पूरे प्रदेश के बच्चों को लाभान्वित करने के अधिक से अधिक प्रयास करने पर बल दिया।

प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश से चयनित सभी 10 प्रतिभागियों को प्रतिभाग करवाने के लिए निदेशक कार्यालय 18 पार्क रोड के सहायक निदेशक राम शंकर व पटल प्रभारी विपिन कुशवाहा बच्चों के साथ रहे ।डॉ0दिनेश कुमार मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल ने कहा कि अब पूजा के नवाचारी मॉडल से राष्ट्रहित की जितनी भी संभावनाएं हो सकती हैं,उनपर एन0आई0एफ0 की टीम विचार करेगी और उससे होने वाले लाभ से पूजा को भी लाभान्वित करने पर विचार किया जाएगा।

नारी वंदन अधिनियम महिलाओं के लिए साबित होगा मील का पत्थर : सतीश चन्द्र शर्मा

सुल्तानपुर– मिशन 2024 की तैयारी को लेकर गुरुवार को भाजपा महिला मोर्चा ने पं रामनरेश त्रिपाठी सभागार में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन को सतीश चन्द्र शर्मा,खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति मंत्री ने बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि

आज हर क्षेत्र में महिलाओं का डंका बज रहा है।उन्होंने कहा 2014 में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं बनाई हैं। आज हर क्षेत्र में महिलाओं का डंका बज रहा है। उन्होंने कहा केंद्र व प्रदेश की सरकार महिला सम्मान व स्वाभिमान के लिए समर्पित है।सरकार की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सुमंगला योजना,पीएम मातृ वन्दना योजना, आवास, उज्जवला,सामूहिक विवाह जैसी कई योजनाएं के माध्यम से महिलाएं सशक्त हो रही हैं।उन्होंने कहा मोदी सरकार ने संसद में ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत 33 प्रतिशत आरक्षण देकर महिलाओं को उनका अधिकार देने का काम किया है।उन्होंने कहा नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं की राजनीतिक क्षेत्र की भागीदारी में मील का पत्थर साबित होगा।भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ आरए वर्मा ने कहा आने वाले समय में राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका अहम होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षा व भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुमन सिंह व महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा निषाद ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।कार्यक्रम की संयोजक व काशी क्षेत्र महिला मोर्चा की महामंत्री बबिता तिवारी ने आए हुए अतिथियों व महिलाओं का आभार प्रकट किया।संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ प्रीति प्रकाश ने किया।भाजपा प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट काम करने वाली डॉ मानसी तोमर,पूर्व प्रधानाचार्य कुसुम सिंह,लालती देवी,माया देवी,सविता श्रीवास्तव,रश्मि बाला श्रीवास्तव,सुमन तिवारी एवं सपना देवी सहित 10 महिलाओं को मुख्य अतिथि सतीश चंद्र शर्मा ने अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष अनीता पांडे, निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष बबिता जायसवाल,कमला सिंह,पूजा कसौधन,रेनू सिंह,रेनू तिवारी,रचना सिंह,रीता निषाद आदि मौजूद रही।

मेडिकल छात्रा से रेप,शादी का झांसा देकर करता रहा शोषण, जबरन करवाया गर्भपात

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में मेडिकल की छात्रा से रेप का मामला सामने आया है। इंदिरा नगर के निवासी देवेश पर आरोप है कि उसने शादी का झांसा देकर छात्रा से संबंध बनाए और रेप के बाद जबरन एबॉर्शन करवा दिया। छात्रा महाराष्ट्र के पालघर की रहने वाली है। वहीं पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। महाराष्ट्र पालघर की छात्रा सरोजनीनगर के एक मेडिकल कॉलेज में 2019 से पढ़ाई कर रही है। छात्रावास में ही रहने वाली छात्रा का आरोप है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चयनित मंडल के बाराबंकी जं. स्टेशनपर कार्य प्रारम्भ

यात्री सुविधाओं में विस्तार करते हुए स्टेशन का होगा आधुनिकीकरण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारतीय रेल द्वारा अपने चयनित स्टेशनों का आधुनिकीकरण करते हुए इनको नवीनतम सुख सुविधाओं से सुसज्जित करने की योजना के अंतर्गत "अमृत भारत स्टेशन योजना" का प्रारंभ किया गया है द्य इस योजना के तहत भारतीय रेल के कुल 1309 स्टेशनों का पुनर्विकास करते हुए इनको अत्याधुनिक बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी दूरदर्शी योजना के अंतर्गत उत्तर रेलवे , लखनऊ मंडल के बाराबंकी जं. स्टेशन का भी कायाकल्प किया जा रहा है। बाराबंकी जं. स्टेशन पर किये जाने वाले कार्यों के तहत रेलवे स्टेशन की पुनर्सज्जा, परिसर का सौन्दर्यीकरण , दिव्ध्यांगजनों के अनुकूल आधारभूत सुविधाएं, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, यात्री सुविधाओं में वृद्धि और इनका आधुनिकीकरण , पर्यावरण के अनुकूल वातावरण तैयार करना जैसे कार्यों को एक क्रमबद्ध रूप में संपन्न कराये जाने की दिशा में कार्य प्रगति पर हैं। बाराबंकी जं. स्टेशन की इस प्रक्रिया पर अनुमानित लागत रू० 33.42 करोड़ का व्यय होगा। स्टेशन पर इस योजना के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यो का विवरण निम्नवत है रू–

नये स्टेशन भवन का निर्माण व पोर्टिको का प्रावधान, द्वितीय प्रवेश द्वार पर नये स्टेशन भवन एवं सरकुलेटिंग एरिया का निर्माण व विकास । स्टेशन भवन में यात्रियों लिए फूड प्लाजा, बेहतर प्रकाश व्यवस्था आधुनिक प्रतीक्षालय, बेबी फीडिंग कक्ष ।

कैफेटेरिया एवं रिटेल सुविधाएँ , आरामदायक टिकाऊ एवं आधुनिक फर्नीचर, एक स्टेशन एक उत्पाद के कम से कम दो स्टॉल एग्जीक्यूटिव लाउंज एवं व्यावसायिक बैठकों के लिए स्थान, लॉकर रूम।

सरकुलेटिंग एरिया में यात्रियों के आगमन एवं प्रस्थान हेतु चौड़ी सड़को का प्रावधान, सुनियोजित पार्किंग क्षेत्र. बेहतर प्रकाश व्यवस्था, स्थानीय शिल्पकला एवं संस्कृति के समावेश से सौन्दर्यीकरण एवं हरित पटटी का विकास, यात्रियों की सुगमता एवं मार्ग दर्शन हेतु अच्छी दृश्यता एवं सौन्दर्ययुक्त साइनेज एवं सेरेमोनियल फलैग का प्रावधान, जल निकासी की समुचित व्यवस्था ।

सरकुलेटिंग एरिया में बेहतरीन यात्री अनुभव हेतु रेल कोच रेस्टोरेंट का प्रावधान।

12 मीटर चौड़े फुट ओवरब्रिज का निर्माण, जिसका रूफ प्लाजा के रूप में विकास।

दिव्यांगजनों हेतु आवश्यक आधुनिक सुविधाओं का विकास।

उच्चस्तरीय प्लेटफार्म, प्लेटफार्म सतह का सुधार, यात्रियों के बैठने हेतु पर्याप्त स्थान एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त यात्री प्रसाधन।

रैम्प एवं स्वचालित सीढ़ियों का प्रावधान।

एल०ई०डी० आधारित स्टेशन नेम–बोर्ड, आधुनिक कोच गाइडेंस एवं ट्रेन इंडीकेशन बोर्ड सुरक्षा एवं संरक्षा हेतु सी०सी०टी०वी० कैमरा फ्री वाई–फाई की सुविधा, जी०पी०एस० क्लॉक एवं स्वचालित यात्री उदघोषणा प्रणाली का प्रावधान।

बी एस ई, लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा विश्व निवेशक सप्ताह के अंतर्गत निवेशक जागरूकता अभियान शुरू

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विश्व निवेशक सप्ताह के अंतर्गत बीएसई ने श्री रामस्वरूप कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट में एमबीए छात्रों के लिए एक सेमिनार आयोजित किया जिसमे छात्रों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

इस सेमिनार के वक्ता बीएसई लिमिटेड के पृथेश सिंह रहे जिन्होंने वित्तीय साक्षरता से संबंधित जानकारी छात्रों को प्रदान किया ताकि भविष्य में संभावित जोखिम और धोखाधड़ी से बच सकें । स्टॉक मार्केट में निवेश करते समय किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए, निवेश करते समय क्या नही करना चाहिए और अगर आपकी कोई शिकायत है तो उसके निस्तारण के लिए अपनी शिकायत कहां दर्ज कराया जाए इन सभी महत्वपूर्ण बातों पर प्रकाश डाला।

इस सेमिनार का आयोजन डा. ओम प्रकाश जी डायरेक्टर श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी ने कराया। इसके अलावा बीएसई से शैलेंद्र कुमार द्विवेदी, श्री रामस्वरूप से फैजान जी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे।

राजभाषा पखवाड़ा 2023 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह कार्यक्रम आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, लखनऊ में राजभाषा पखवाड़ा 2023 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। लखनऊ मंडल के मुख्य महाप्रबंधक शरद सत्यनारायण चांडक ने इस अवसर पर हिंदी की समावेशी प्रकृति को रेखांकित करते हुए कहा कि हिंदी वह भाषा है जिसका किसी भी अन्य भारतीय भाषा के साथ कोई प्रतिद्वंदिता या टकराव नहीं है। हिंदी ने मराठी सहित अन्य भारतीय भाषाओं से भी शब्द लिए हैं और एक भाषा के रूप में इसकी समावेशी प्रकृति ने ही इसे जीवंत और प्रवाहपूर्ण बनाए रखा है।

श्री चांडक ने इस अवसर पर स्टाफ सदस्यों के सुलभ संदर्भ के लिए ष्राजभाषा ज्ञान पुस्तिकाष और "एचआर पुस्तिका" का विमोचन किया। साथ ही उन्होंने हिंदी पखवाड़ा 2023 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं, जिसमें पूरे मंडल से लगभग 2200 स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की थी, सहित मंडल निबंध प्रतियोगिता तथा चित्रांकन एवं कैलिग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रशस्ति–पत्र प्रदान किया, और गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित कंठस्थ अनुवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर बैंक की कीर्ति बढ़ाने के लिए कार्यालय में पदस्थ दिवाकर मणि, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) को स्मृति–चिह्न देकर सम्मानित किया।

उक्त कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन शेखर शुक्ला, सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) और कार्यक्रम का संचालन उप प्रबंधक अभिषेक शुक्ला ने किया।

परशुराम शौर्य संगठन की बैठक सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

हरदोई। डाक बंगले में परशुराम शौर्य संगठन की बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रमुख रूप से संरक्षक डॉक्टर स्वामी राम अवस्थी,राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल पांडे,प्रदेश अध्यक्ष रागिनी अवस्थी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गणेश दत्त शुक्ला राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक दिक्षित जिला अध्यक्ष करण शुक्ला, संरक्षक प्रमोद कुमार ,अर्चना अवस्थी, आलोक अवस्थी, रागिनी अवस्थी, शांभवी बाजपेई ,शांभवी बाजपेई, समाजसेवी अविनाश मिश्रा ,अनुराधा मिश्रा ,अंबुज शुक्ला , प्रदीप अवस्थी, भूपेंद्र अवस्थी,अवनीश द्विवेदी, सचिन शुक्ला ,पंकज पांडे ,टिल्लू बाजपेई ,आशुतोष बाजपेई ,आजाद जी ,आशीष अवस्थी ,संजीव बाजपेई, पप्पू बाजपेई सौरभ शुक्ला अमन मिश्रा उपस्थित रहे।

पितृपक्ष में पूर्वजों की सच्ची श्रद्धांजली ज्ञानदान है : उमानंद शर्मा

लखनऊ (संवाददाता)। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत "डीबीएस मान्टेसरी स्कूल पिकनिक स्पॉट रोड, जराहारा लखनऊ" के पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 396वाँ ऋषि वांड़मय की स्थापना कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उपरोक्त साहित्य गायत्री परिवार की सक्रीय कार्यकत्री मधु अग्रवाल ने अपने सम्मानित पूर्वजों की स्मृति में भेंट किया।

नरेंद्र दुबे जी का श्राद्ध पक्ष में स्मरण : डा. पुष्पेंद्र

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विनोबा विचार प्रवाह के सूत्रधार रमेश भइया ने बताया कि श्री नरेंद्र दुबे के हस्तलिखित कागज जीर्ण–शीर्ण अवस्था में हैं। उनके विचार उनके द्वारा स्थापित 'श्सर्वोदय मिशनश खादी मिशन' सहित देश की सभी खादी संस्थाओं के लिए आज भी प्रासंगिक हैं।

'श्री नरेंद्र दुबे रू अपने शब्दों में'

किंतु विनोबा जी से मैं जब भी मिलने जाता तो बाबा विनोबा पवनार गांव में वस्त्र स्वावलंबन करने के लिए कहते थे। अंततरू उनकी भावना के अनुसार 'सन 1977' में मैंने पवनार गांव में काम करना शुरू किया। ग्राम सम्पर्क के पश्चात मैं चाहता था कि ग्राम स्तर की ही एक संस्था बनायी जाए। उसके मार्फत गांव में काम किया जाए। किंतु इसी समय ग्राम सेवा मंडल ने रुचि ली और मैं विनोबा जी के आदेश से ग्राम सेवा मंडल के द्वारा गांव में काम करने लगा।

मेरा यह प्रयास था कि पवनार प्रयोग के लिए 'खादी ग्रामोद्योग आयोग से सहायता न लेकर काम किया जाए।' गांव से, आम जनता से कुछ निधि संग्रह किया जाए। लेकिन जब ग्राम सेवा मंडल ने मदद देना प्रारंभ किया तब उसी की नीति मान्य करनी पड़ी।

उस समय पवनार गांव की 'आबादी छरू हजार' थी। मैंने माना कि हमारे कितना ही प्रयास करने पर गांव के लोग अधिक से अधिक 'दस मीटर प्रति व्यक्ति खादी' इस्तेमाल करेंगे। इस प्रकार पवनार गांव के लिए प्रारंभ में 'साठ हजार मीटर वस्त्र' की जरूरत होगी। पवनार गांव में कपास पैदा होता था और अच्छी उन्नत किस्म का कपास पैदा होता था। इसलिए कच्चे माल की समस्या नहीं थी।

15 को मंच पर होगी शहर से बावस्ता क्रान्तिकारी दुर्गा भाभी की जीवन गाथा

संस्कृति विभाग और रानावि के सहयोग से हो रहा श्आजादी की दीवानी दुर्गा भाभीश का मंचन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सीने में देश आजाद कराने की धधकती आग लिए शहीदे आजम भगत सिंह सरीखो क्रान्तिकारियों की सहयोगी रही दुर्गा भाभी की जीवन गाथा यहां 15 अक्टूबर को संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह गोमतीनगर के मंच पर रंगप्रेमियों को रोमांचित करेगी। नाम से ही नहीं काम से भी दुर्गा स्वरूपा क्रान्तिकारी की कहानी श्आजादी की दीवानी दुर्गा भाभी नाट्य रूप में अक्षयवर नाथ श्रीवास्तव के लेखन–निर्देशन में दिल्ली–गाजियाबाद के कलाकार संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश व अवसर ट्रस्ट के सहयोग से थर्टीन्थ स्कूल और टैलेण्ट डेवलपमेण्ट के कलाकार प्रस्तुत करेंगे।

विशाल सेट वाली इस रंग प्रस्तुति के बारे में लेखक–निर्देशक अक्षयवर नाथ ने बताया कि 13 वर्ष की उम्र में कान्तिकारी पति भगवतीचरण वोहरा के साथ आजादी के लड़ाई में कूद गयी दुर्गादिवी को क्रान्ति के इतिहास में वो स्थान नहीं मिला, जो मिलना चाहिए था। उनद का जन्म सात अक्टूबर 1907 को हुआ और 15 अक्टूबर को 92 वर्ष की अवस्था में उनका निधन गाजियाबाद में हुआ। दुर्गा भाभी के सम्बंध में उन्होंने उनके परिवारीजनों से मिलकर साढ़े तीन साल तक गहन शोध करने के उपरांत खोजे तथ्यों के आधार पर नाटक को राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के सहयोग से तैयार किया है। उनकी पुण्य तिथि पर मंचित होने वाले केवल डेढ़ घण्टे के दिल्ली और पटना में मंचित हो चुके इस नाटक में 35 कलाकारों की लम्बी चौड़ी फौज है और हमारी टीम की कोशिश रही है कि नाटक रुचिकर और दर्शनीयता भरा रहे, इस लिहाज से प्रस्तुति में ऐतिहासिक तथ्यों के साथ ही गीत–संगीत, संवाद सहित सभी रंग पक्षों का बेहतर तालमेल बनाया गया है। गीत डा. चेतन आनंद और संगीत संकल्प श्रीवास्तव का है। दृश्यबंध और प्रकाश परिकल्पना राघव प्रकाश और दिव्यांग श्रीवास्तव का रूपसज्जा हरि सिंह खोलिया की और कला निर्देशन प्रखर श्रीवास्तव का है। दुर्गा भाभी के भतीजे के पुत्र के नाते से पौत्र कहलाने वाले रिजर्व बैंक के पूर्व अधिकारी जगदीश भट्ट ने बताया कि क्रान्ति में अविस्मरणीय योगदान देने वाली दुर्गादिवी की कर्मभूमि लखनऊ भी रही है। उन्होंने सदर में आज लखनऊ माण्टेसरी इण्टर कालेज के नाम से प्रसिद्ध ये स्कूल नजीराबाद के एक निजी मकान में उत्तर भारत के पहले मांटेसरी स्कूल के तौर पर पिछड़े वर्ग के पांच छात्रों के साथ खोला। लगभग 42 वर्षों तक कुशल संचालन करने के बाद अस्वस्थता के कारण 1983 में विद्यालय को ट्रस्ट को सौंपकर पुत्र शचीन्द्र के पास गाजियाबाद रहने लगीं थीं। 19 दिसंबर, 1928 को जब भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने लाला लाजपत राय जी की हत्या का बदला लेने के लिए असिस्टेंट पुलिस अधीक्षक जॉन सॉण्डर्स की हत्या कर दी तब श्दुर्गा भाभीश ने समाज की परवाह किए बिना अपने 03 साल के बेटे को साथ लेकर भगत सिंह को अपना पति और राजगुरु को परिवार का नौकर बनाकर उन्हें अंग्रेज सिपाहियों की नजरों से बचाकर कलकत्ता पहुंचाया। चंद्रशेखर आजाद के आखिरी वक्त तक साथ रही बमतुल बुखारा पिस्तौल दुर्गा भाभी ही लाई थीं। उन्होंने पिस्तौल चलाने का प्रशिक्षण लाहौर व कानपुर में लिया था। उसी वर्ष 9 अक्टूबर, 1930 को श्दुर्गा भाभीश ने दक्षिण बॉम्बे में लैमिंगटन रोड पर गवर्नर हैली पर गोली चलाई, जिसमें गवर्नर हैली तो बच गया, किंतु उसके साथ खड़ा हुआ एक ब्रिटिश सैनिक अधिकारी टेलर घायल हो गया। मुंबई के पुलिस कमिश्नर को भी श्दुर्गा भाभीश में गोली मारी थी। बाद में मुंबई के एक फ्लैट से दुर्गा भाभी और साथी यशपाल को गिरफ्तार कर जेल हुई। ऐसी अनगिनत कथाएं हैं, उम्मीद है इनमें से कई नाटक में दिखेंगी।

बीजेपी का सूफी महासंवाद,सूफी समाज के लोगों ट्रेनिंग दी गई

लखनऊ (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा ने सूफी समाज के लोगों को प्रशिक्षण दिया। इस प्रशिक्षण के दौरान उन्हें यह भी बताया गया कि कैसे उन्हें अपने लोगों के बीच जाना है। बीजेपी सरकार द्वारा किए गए कामों को उनके सामने रखना है। अब तक विपक्षियों के द्वारा जो गलतफहमियां फैलाई गई है, उसको भी दूर करने का काम करना है। इस एक दिवसीय प्रशिक्षण में अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी, अल्पसंख्यक कल्याण के राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी, उत्तर प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बासित अली और प्रदेश प्रभारी सैयद एहतेशाम समेत प्रदेश भर के सूफी समाज के लोग शामिल हुए। अल्पसंख्यक कल्याण के राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा, सूफी विचारधारा से हमेशा इस देश के अंदर अमन शांति की विचारधारा बढ़ी है। जिसकी मोदी जी ने हमेशा तारीफ भी की है। आज इसी के जरिए हम इस पैगाम को और भी आगे लेकर जाएंगे। जो कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के द्वारा इस समुदाय को लटकाने का और भड़काने का काम किया गया है, जो खाई खोदी गई है।

फुटपाथ पर सो रही महिला पर कार चढ़ी, ड्राइवर नशे में था, कार छोड़कर फरार हुआ

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बाजारखाला इलाके में बुधवार देर रात एक तेज रफ्तार

कार अनियंत्रित होकर फुटपाथ पर बनी गुमटी तोड़ते हुए पास ही पड़ी चारपाई पर चढ़ गई। हादसे में चारपाई पर सो रही बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जिन्हें पुलिस ने गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर ले गई। जहां उनकी मौत हो गई। पुलिस ने गाड़ी नंबर के आधार पर मौके से फरार ड्राइवर को गुरुवार को पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि चालक के नशे में होने से कार अनियंत्रित होकर फुटपाथ पर चढ़ गई थी। बाजारखाला संजय नगर निवासी दीना नाथ यादव की घर के बाहर गुमटी रखकर परचून की दुकान चलाते हैं। बुधवार रात गुमटी के पास चारपाई डाल कर उनकी मां लीलावती (70) सो रही थीं। पोते आदित्य ने बताया कि रात करीब एक बजे तेज तेज आवाज सुनकर घर के और स्थानीय लोग जाग गए। बाहर आकर देखा तो एक कार गुमटी को तोड़ते हुए चारपाई पर चढ़ी थी। आसपास के लोगों ने राहगीरों की मदद से कार को धक्का देकर बाहर निकाला। जिसके नीचे फंसी दादी लीलावती गंभीर रूप से घायल थी। वहीं कार सवार युवक भाग निकले थे। दादी की गंभीर हालत में देख पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस उसको ट्रामा सेंटर भिजवाया। साथ ही क्रेन मंगवाकर कार को थाने ले गई। बताया जा रहा है कि कार चालक नशे में था और दुर्घटना के बाद वह कार छोड़कर भाग गया। इंस्पेक्टर अजय नारायण सिंह ने बताया कि मारुति कार करेंहटा निवासी धीरज वर्मा की है। उनका छोटा भाई नीरज वर्मा गाड़ी चला रहा था। मृतिका के बेटे दीनानाथ यादव की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार हेतु प्रस्ताव/आवेदन आमंत्रित

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला विकास अधिकारी ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी को अवगत कराया है कि अपर मुख्य सचिव उ०प्र० शासन राष्ट्रीय एकीकरण अनुभाग लखनऊ द्वारा वर्ष 2023–24 के लिए गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार हेतु प्रस्ताव/आवेदन उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

उक्त मार्गदर्शी सिद्धान्त के अनुसार प्रश्न गत पुरस्कार प्राप्त करने की अहंताए निम्न प्रकार निर्धारित की गयी है कि भारत का मूल नागरिक हो। उत्तर प्रदेश राज्य की सीमा के भीतर पुरस्कार पर विचार किये जाने के वर्ष में सामान्य तथा निवास करता रहा हो, मानवाधिकार, सामाजिक न्याय व राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान रहा हो। गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार योजना के अधीन पूर्व में इस राज्य सरकार द्वारा पुरस्कार न दिया जा चुका हो। प्रदेश में निवासरत व्यक्तियों में से कोई व्यक्ति, जिसने मानवाधिकारों की रक्षा, सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट कार्य किया हो तथा इस हेतु पूर्णरूप समर्पित हो को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा गुरू गोविन्द सिंह जी के जन्म दिवस (5 जनवरी) पर गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार प्रदान किये जाने मेंएक लाख रुपये का नगद पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र दिये जाने की व्यवस्था की गयी है।

महासंघ कर्मचारियों के बीच चलाएगा रीच टू ईच अभियान

लखनऊ (संवाददाता)। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ रीच टू ईच कार्यक्रम चलाकर 3 नवम्बर दिल्ली महारैली मे शामिल होने के लिए महाअभियान चलाएगा। एआईएसजीएफ के अखिल भारतीय स्तर पर चल रहे रीच टू ईच कार्यक्रम को लखनऊ राज्य राजधानी में शिक्षकों,कर्मचारियों, आउटसोर्सिंग स्टाफ के बीच ले जाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ ने वृहद रणनीति बनायी है।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।